E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -107 | प्रयागराज, शुक्रवार 04 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रुपये

पीएम मोदी को घाना का सर्वोच्च सम्मान दिया गया,दोनों देशों में 4 समझौते हुए, मोदी बोले- भारत-घाना मिलकर आतंकवाद के खिलाफ काम करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को घाना का सर्वोच्च सम्मान 'द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से सम्मानित किया गया। इसके अलावा दोनों देशों ने 4 अलग-अलग समझौते साइन किए। सर्वोच्च सम्मान पर पीएम मोदी ने कहा- घाना से सम्मानित होना मेरे के लिए गर्व की बात है। इससे पहले उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा के साथ जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया। मोदी ने कहा कि भारत और घाना आतंकवाद को मानवता का दुश्मन मानते हैं और इसके खिलाफ मिलकर काम करेंगे। मोदी ने कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है, बल्कि बातचीत और डिप्लोमेसी के जरिए समस्याओं का हल होना चाहिए। दोनों देश संयुक्त राष्ट्र में सुधारों पर एकमत हैं। इसके साथ ही दोनों ने पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों पर चिंता जताई। पीएम मोदी ने कहा- 'भारत और घाना के बीच व्यापार 25 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो चुका है और अगले 5 साल में इसे दोगुना करने टारगेट है।' उन्होंने घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा को भारत आने का न्योता दिया। भारत, घाना को फिनटेक में सहयोग देगा और यूपीआई के जरिए डिजिटल लेन-देन का एक्सपीरियंस शेयर करेगा। भारत घाना के युवाओं के लिए आईटीईसी और आईसीसीआर स्कॉलरशिप को दोगुना करेगा और 'फीड घाना' प्रोग्राम में मदद करेगा। भारत, घाना आर्मी की ट्रेनिंग, समुद्री सुरक्षा, डिफेंस सप्लाई और साइबर सिक्योरिटी में मिलकर काम करेगा। भारत जन औषधि केंद्र के जरिए घाना के लोगों को सस्ती और भरोसेमंद हेल्थ सर्विस देगा। वैक्सीन

बनाने, डिफेंस और सिक्योरिटी में मदद और साइबर सुरक्षा में भी आपसी सहयोग बढ़ाएंगे।भारत घाना के युवाओं की वोकेशनल एजुकेशन के लिए, एक स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाएगा। दोनों देशों ने चार महत्वपूर्ण समझौते पर साइन किए। विदेश मंत्रालय के सचिव दम्मू रवि ने बताया कि ये समझौते दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेंगे। पहला समझौता- विदेश मंत्रालय लेबल पर जॉइंट कमीशन बैठक की स्थापना करना। दूसरा समझौता- पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों देश एक्सपर्ट्स की ट्रेनिंग और एक्सपीरियंस शेयर करेंगे। तीसरा समझौता- कल्चरल एक्टिविटी से जुड़ा है, जिससे सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। चौथा समझौता- स्टैंडर्ड सेटिंग (प्रोडक्ट और सर्विस के लिए गुणवत्ता नियम तय करना) करना, जिससे आर्थिक सहयोग बढ़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को अफ्रीकी देश घाना पहुंचे। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने राजधानी एक्रॉ में एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। पीएम मोदी को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद मोदी होटल पहुंचे, जहां भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। होटल के बाहर भारतीय वेशभूषा में पहुंचे स्कूली बच्चों ने मोदी को संस्कृत में श्लोक सुनाया। इसके बाद उन्होंने घाना के राष्ट्रपति के साथ राजधानी अक्कारा के जुबली हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की।भारत और घाना अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के मजबूत समर्थक रहे हैं। दोनों देश गुटनिरपेक्ष आंदोलन के सदस्य हैं और संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों में मिलकर काम करते हैं। घाना ने भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन किया है। जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और अन्य वैश्विक मुद्दों पर दोनों देश एक-दूसरे के साथ खड़े रहते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने घाना को वैक्सीन और चिकित्सा मदद दी थी। भारत ने घाना को 6 लाख कोविड वैक्सीन दी थी।क्वामे एन्क्रूमा घाना के सबसे बड़े नेता थे, जिन्हें 'अफ्रीका का महात्मा गांधी' भी कहा जाता है। उन्होंने अमेरिका में पढ़ाई के दौरान गांधीजी के विचार पढ़े और उनसे बहुत प्रभावित हुए। इसके बाद घाना आकर उन्होंने कन्वेंशन पीपुल्स पार्टी बनाई और देश में आजादी की लड़ाई शुरू की। एन्क्रूमा ने इसके लिए अहिंसा, एकता और नागरिक अवज्ञा जैसे गांधीवादी तरीकों का इस्तेमाल किया। एन्क्रूमा का मानना था कि बिना हिंसा के ब्रिटिश शासन के खिलाफ शांतिपूर्ण आंदोलन चलाकर ही घाना आजाद हो सकता है, जैसा गांधी ने भारत में किया था। एन्क्रूमा ने 1950 में 'पॉजिटिव एक्शन' नाम से देशभर में हड़ताल की अपील की। इसके लिए उन्हें जेल भी जाना पड़ा, लेकिन इससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई। 6 मार्च 1957 को एन्क्रूमा की अगुआई में घाना अफ्रीका का पहला देश बना जिसने ब्रिटेन से आजादी हासिल की। घाना की आजादी का असर पूरे अफ्रीका पर पड़ा। लिहाजा बाकी देशों में भी आजादी की मांग तेज हो गई। कुछ ही साल बाद नाइजीरिया, केन्या, तंजानिया जैसे कई देशों ने ब्रिटिश, फ्रेंच या बेल्जियन उपनिवेशवाद से स्वतंत्रता हासिल की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पश्चिम अफ्रीका के देश घाना के लिए रवाना हो गए हैं। घाना की उनकी यह पहली यात्रा है। भारत से करीब 8 हजार किलोमीटर दूर घाना में 'गा' समुदायों के बीच लोगों की मौत पर जश्न मनाने की परंपरा है। यहां अंतिम संस्कार के लिए डिजाइनर ताबूत बनाए जाते हैं।

राजा की बहन सृष्टि पर असम में एफआईआरःवीडियो में दावा किया था राजा की हत्या नरबलि के तहत की,धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप

इंदौर। इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस में असम पुलिस ने राजा की मौसेरी बहन सृष्टि रघुवंशी के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में एक पुराने वीडियो को आधार बनाया गया है। इसमें सृष्टि ने दावा किया था कि राजा की हत्या असम में नरबलि के तहत की गई है। मामले में कामाख्या मंदिर के पुजारी सरू डोलोई हिमाद्रि का कहना है कि जब भी कामाख्या मंदिर के आसपास कोई हत्या का मामला होता है तो मंदिर में मानव बलि का मुद्दा उठाया जाता है। इस तरह के आरोपों से यहां के लोगों की भावनाएं भी आहत होती हैं। पुजारी का कहना है कि राजा की नरबलि का दावा धार्मिक भावनाएं भड़काने और क्षेत्रीय तनाव पैदा करने वाला है। पुलिस ने राजा की बहन सृष्टि रघुवंशी पर बीएनएस की धारा 196 (2), 299, 302 के तहत केस दर्ज किया है। वहीं, राजा के भाई विपिन ने कहा कि इस मामले में हमें कोई जानकारी नहीं है। हालांकि, नरबलि की आशंका राजा की मां उमा और भाई विपिन भी जता चुके हैं।राजा के लापता होने से लेकर शव बरामद होने तक सृष्टि सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रही थी और मदद की गुहार लगाती रही। इसी दौरान उसने एक वीडियो में नरबलि जैसा बयान दिया, जो अब विवाद में आ गया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद सृष्टि ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा कि उसने यह बयान भावुक होकर दिया था। उसका उद्देश्य किसी धर्म या समुदाय की भावना को ठेस पहुंचाना नहीं था। सृष्टि के भाई विपिन रघुवंशी ने कहा कि सृष्टि पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग चुकी है। अगर जरूरत पड़ी, तो वे असम जाकर भी अपनी बात स्पष्ट करेंगे। सोनम और राजा की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। वे 21 मई को हनीमून के लिए असम के गुवाहाटी से होते हुए मेघालय पहुंचे थे। 23 मई को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा में नोंगरियाट गांव से लापता हो गए थे। राजा का क्षत-विक्षत शव 2 जून को वेइसाडोंग फॉल्स के पास एक घाटी में मिला था। सोनम 9 जून को यूपी के गाजीपुर में मिली थी।सृष्टि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है। वह अलग-अलग प्रतिष्ठानों के लिए विज्ञापन भी करती है। इसके चलते उसके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स भी हैं। राजा के मेघालय में लापता होने के बाद से ही सृष्टि ने सोशल मीडिया पर कैंपेन शुरू किया था। वह लगातार वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर रही थी। राजा की हत्या और सोनम के पकड़े जाने के बाद भी सृष्टि के कई वीडियो वायरल हुए। इसके चलते उसे काफी ट्रोल किया गया। यहां उसका जमकर विरोध हुआ। कहा गया कि सृष्टि यह सब वायरल होने के लिए कर रही है। हालांकि, सृष्टि के समर्थन में भी कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आए थे।राजा की मां उमा और भाई विपिन रघुवंशी भी 11 जून को नरबलि की आशंका जताई थी। उन्होंने कहा था कि आखिर सोनम राजा को लेकर क्यों शिलॉन्ग जाना चाहती थी? राजा की मां ने दावा किया था कि बेटे राजा पर तंत्र क्रिया की गई होगी। सोनम ने मेरे बेटे की नरबलि दे दी। हम सब पर भी सोनम ने वशीकरण किया था। जैसा वह लोग बोल रहे थे, हम वैसे ही चल रहे थे। अब हमें इसका एहसास हो रहा है। परिजन ने आशंका जताई थी कि हो सकता है सोनम ने मन में नरबलि देने के लिए मनोकामना की हो। क्योंकि कामाख्या देवी में पूजा करने के बाद आरोपियों ने राजा के गले पर वार किया था। जिस दिन राजा की हत्या हुई, उस दिन ग्यारस थी। राजा की मां ने दावा किया है कि इस हत्याकांड के पीछे 15 लोग हो सकते हैं।नरबलि के आरोपों पर जवाब देते हुए कामाख्या मंदिर के पुजारी सरू डोलोई हिमाद्रि ने कहा, हम इस तरह के बयानों की निंदा करते हैं। कामाख्या मंदिर में मानव बलि की कोई रस्म नहीं है। सदियों से कामाख्या मंदिर अपने वैदिक अनुष्ठानों के लिए जाना जाता है। पुजारी ने कहा, हर साल देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु कामाख्या मंदिर आते हैं। इस तरह के आरोपों से मंदिर की छवि खराब होगी, जिसकी उम्मीद नहीं है। मेरी असम सरकार से विनती है कि इसको लेकर सख्त नियम बनाए जाएं, ताकि देश के प्रतिष्ठित शक्ति पीठों में से एक कामाख्या माता मंदिर पर ऐसे आरोप न लगाए जा सकें।

कंप्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (CTT) कौशल के महत्व पर कॉमिक्स

नेंनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर 3 घंटे तक हंगामा,छात्रा के परिजन बोले- ढाबा पर बुलडोजर चले, आरोपी अरेस्ट हों; 300 वाहन जाम में फंसे रहे

प्रयागराज/वाराणसी वाराणसी-

प्रयागराज हाईवे पर बुधवार की रात एमएससी की छात्रा की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका शव एक ढाबे पर खून से लथपथ कंबल में मिला। छात्रा सुबह घर से कॉलेज गई थी जिसके बाद उसका शव बरामद हुआ। पुलिस ने ढ़ाबा संचालक और मैनेजर समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर लिया लेकिन 12 घंटे बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने से परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। नाराज परिजनों ने शव लेकर हाईवे पर चक्का जाम कर दिया है। वाराणसी प्रयागराज हाईवे के दोनों लेन बंद कर दी। वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। एडिशनल सीपी शिव हरी मीणा ने ग्रामीणों से बात की। ग्रामीणों ने कहा- होटल पर बुलडोजर चले। आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए। एडिशनल सीपी के आश्वासन पर ग्रामीणों ने जाम खोल दिया। ग्रामीण छात्रा के शव को लेकर आदलपुर स्थित शव दाह घाट ले गए। जहां उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस दौरान करीब 3 घंटे तक हंगामा चलता रहा।वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर 200 बड़े वाहन और 100 छोटे वाहन जाम में फंसे हैं। इसमें आफिस, नौकरी, काम और स्कूल जाने वाले लोग शामिल हैं। वाहन निकालने को लेकर चालकों से भी ग्रामीणों की नोकझोंक हुई है। कुछ वाहन चालकों ने सर्विस रोड से निकलने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने सर्विस रोड पर को भी बंद कर दिया। हंगामा बढ़ने पर डीसीपी गोमती आकाश पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। मगर परिजन नहीं माने। जाम से 300 से अधिक वाहनों की कतार लग गई है। बाद में एडिशनल सीपी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण मान गए और जाम खुल गया।

जौनपुरः पूर्व बीएसपी सांसद धनंजय सिंह दोहरे हत्याकांड में कोर्ट से बरी,सीबीसीआईडी के सभी गवाह ही मुकरे

जौनपुर।उत्तर प्रदेश के जौनपुर से बड़ी खबर सामने आई है। 15 साल पुराने दोहरे हत्याकांड मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह बरी कर दिया गया है। गुरुवार को एडीजे प्रथम की कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए धनंजय सिंह सहित चारों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। 1 अप्रैल 2010 को ठेकेदारी के विवाद में केराकत कोतवाली क्षेत्र के बेलाव घाट के पास ताबड़तोड़ फायरिंग हुई थी। इसमें गोली लगने से नंदलाल निषाद और संजय निषाद की मौत हो गई थी। दिनदहाड़े हुए इस हत्याकांड में तत्कालीन बसपा सांसद धनंजय सिंह, पुनीत सिंह, आशुतोष सिंह समेत 4 लोगों को आरोपी बनाया गया। विवेचना के बाद पुलिस ने सभी को क्लीन चिट दे दी थी। इसके बाद सीबीसीआईडी ने जांच शुरू कर दी। सीबीसीआईडी ने जांच के बाद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी। टीम ने जितने भी लोगों को गवाह बनाया था, सभी अपने बयान से मुकर गए। कोर्ट में बताया कि उन्होंने घटना घटते नहीं देखा। गुरुवार को एडीजे प्रथम की कोर्ट ने धनंजय सिंह समेत सभी को बरी कर दिया।दोहरे हत्याकांड में आरोपी बनाये गए पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके सहयोगियों के केस में गुरुवार को महत्वपूर्ण फैसला आना था। फैसले को लेकर सुबह से ही कोर्ट परिसर में लोगों का जमावड़ा देखा गया। पूर्व सांसद को सजा होगी या बरी होंगे इस पर भी सभी की निगाहें टिकी हुई थी। दोपहर 3 बजे जब कोर्ट की कार्यवाही शुरू हुई तो वहां धनंजय सिंह भी मजूद थे। कोर्ट ने पाया कि गवाहों ने घटना होते नहीं देखा। इसके बाद कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया।पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने कोर्ट से बाहर निकलते के बाद कहा कि दोहरे हत्याकांड में उनका कोई

अखिलेश यादव का नया आशियाना आजमगढ़ में,आज गृह प्रवेश किया

आजमगढ़। आजमगढ़ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नया

ठिकाना लगभग तैयार है। अखिलेश ने आज गृह प्रवेश किया है। पहली बार यहां कार्यक्रम हो रहा। मंच से सपा विधायक आलम बदी ने कहा- नेताजी कहते थे कि मेरा एक घर इटावा और दूसरा आजमगढ़ हैं। आज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनका सपना पूरा कर दिया। आजमगढ़ में कार्यालय बनाकर बता दिया कि ये नेताजी का दूसरा घर भी आबाद हो गया। आज जनसभा कर रहे हैं। करीब 25 हजार अधिक लोगों की भीड़ है। इसके लिए कैंपस परिसर में जर्मन हैंगर लगाया गया है। 72 बिस्वा में बन रहे इस आशियाने में अखिलेश का ऑफिस रूम, 3 पर्सनल कमरे, सेक्रेटरी के लिए ऑफिस और समर्थकों के लिए बड़ा हॉल बनाया गया है। जिला मुख्यालय से 7 किमी दूर अनवरगंज में अखिलेश का यह घर है।अखिलेश अभी तक लखनऊ से मध्यांचल और सैफई से पश्चिमी यूपी की सीटों की मॉनिटरिंग करते थे। ऐसे में पूर्वांचल अछूता रह जाता था। उसी कमी को पूरा करने के लिए अखिलेश ने आजमगढ़ को चुना है। इसके जरिए अखिलेश पूर्वांचल की 117 सीटों को साधेंगे।सपा विधायक आलम बदी ने कहा- नेताजी कहा करते थे कि मेरा एक घर इटावा और दूसरा आजमगढ़ हैं। आज सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनका सपना पूरा कर दिया। आजमगढ़ में कार्यालय बनाकर बता दिया कि ये नेताजी का दूसरा घर भी आबाद हो गया।आजमगढ़ लोकसभा सीट पर 2014 में मुलायम सिंह यादव चुनाव जीते थे। इसके बाद 2019 में अखिलेश यादव चुनाव जीते। फिर 2022 में विधानसभा चुनाव में अपेक्षित सीटें न मिलने के कारण आजमगढ़ लोकसभा सीट से अखिलेश ने इस्तीफा दे दिया।

प्रयागराज की लड़की को सऊदी शेख के पास भेजते,पीड़िता बोली- खिदमत कैसे करनी है, ट्रेनिंग देने वाले थे,इससे पहले ही भाग ली

प्रयागराज। प्रयागराज में 'द केरल स्टोरी' जैसा मामला सामने

आया है। फूलपुर की जिस दलित लड़की को केरल ले जाकर मुस्लिम कन्वर्ट किया गया। उसको उर्दू और मुस्लिम रिवायतों की ट्रेनिंग देकर सऊदी के शेख के पास भेजने की तैयारी थी। लड़की के मुताबिक, इसके बदले केरल के उस ट्रेनिंग सेंटर को चलाने वालों को लाखों रुपए मिलने थे। सामने आया कि मुस्कान (बदला हुआ नाम) को वर्क वीजा पर सऊदी भेजने की तैयारी थी। मुस्कान ने जांच एजेंसियों को बताया- ट्रेनिंग सेंटर पर इस वीजे को 'खद्दामा वीजा' कहा जा रहा था। सऊदी में मुस्कान को शेख की खिदमत कैसे करनी है? ये पता चलने से पहले ही वो हॉस्टल से भागने में कामयाब हो गई। केरल पुलिस की मदद से उसे प्रयागराज लाया गया। एटीएस और प्रयागराज विजिलेंस ने लड़की मुस्कान से 5 घंटे की लंबी पूछताछ की। अब प्रयागराज पुलिस केरल में एक्टिव इस गैंग के काम करने के तौर तरीके को ट्रेस कर रही है। सऊदी भेजने से पहले लड़की को मुस्लिम कन्वर्ट क्यों किया गया, क्या ये आतंकी गतिविधि है, बुधवार को पुलिस मुस्कान को कोर्ट में पेश करने लाई थी। जज के सामने बयान रिकॉर्ड होने के बाद पुलिस लड़की को वापस बाल कल्याण समिति ले जाया जा रहा था। इस दौरान लड़की ने अपनी स्टोरी टुकड़ों में सुनाई।**आगे की खबर पेज न. 2 पर...**

जमीन विवाद के लिए हत्या,सोते समय युवक को गोली मारी, पत्नी ने 4 लोगों पर लगाया आरोप

प्रयागराज। प्रयागराज के मऊ आइमा थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद

ने एक और जान ले ली। राजे तारा गांव में 2-3 जुलाई की मध्य रात्रि को विजय बहादुर पटेल उर्फ मलखान की गोली मारकर हत्या कर दी गई।विजय बहादुर अपने घर में गहरी नींद में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने उनके सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर पास में सो रही पत्नी सुमन देवी की नींद खुली। उन्होंने देखा कि विजय बहादुर बिस्तर पर मृत पड़े हैं।मृतक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उनकी चार बहनें हैं। दो दिन पहले जमीन की नाप को लेकर पड़ोसियों से विवाद हुआ था। सुमन देवी ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने गांव के ही राम बाबू, सालिक राम पटेल, राकेश पटेल और प्रशांत पटेल पर हत्या का आरोप लगाया है।पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया के अनुसार, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।मामले की जांच के लिए प्रभारी निरीक्षक मऊ आइमा पंकज अवस्थी के साथ क्राइम ब्रांच को भी लगाया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

मोबाइल गिरवी रख मिलता है स्ट्रेचर और व्हीलचेयर,स्वरुपरानी अस्पताल में मरीज-तीमारदार परेशान

प्रयागराज। प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरु अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों को

स्ट्रेचर और व्हीलचेयर प्राप्त करने के लिए परिजनों को अपना आईडी कर्मचारी के पास जमा करना होता है। आपाधापी की स्थिति में लोगों के पास पर्सनल आईडी न होने पर मजबूरन अपना मोबाइल गिरवी रखना पड़ता है।अगर दोनों में से कुछ नहीं है तो उनको स्ट्रेचर और व्हीलचेयर नहीं दिया जाता है।लोगों ने बताया कि हम परेशान रहते हैं और हर जगह पर्सनल आईडी लेकर घूमते नहीं है।यहां पर जब व्हीलचेयर या स्ट्रेचर लेने जाओ तो बोला जाता है, पहले अपना मोबाइल जमा करिए। उसके बाद आपको ये मिलेगा।फूलपुर से इलाज के लिए आए बुजुर्ग ने बताया कि मेरे कमर में दिक्कत है मुझे व्हीलचेयर नहीं मिल रही थी, बड़ी मशक्कत के बाद मुझे एक व्हीलचेयर मिली। मुझे अपने बेटे का मोबाइल फोन जमा करना पड़ा। ऐसी स्थिति में काम पड़ने पर दूसरों से विनती करनी पड़ती है। वहीं हंडिया से आए अपने पिता के इलाज के लिए युवक ने बताया की पिता का एक्सीडेंट हुआ था, स्ट्रेचर नहीं मिल रहा था क्योंकि उनके पास कोई आईडी नहीं थी, इसलिए उनको अपना मोबाइल फोन गिरवी रखना पड़ा।स्ट्रेचर से ज्यादा कीमती मोबाइल है।

सावन में अनुष्ठान और अभिषेक के समय प्रयागराज में पुजारियों के पान-गुटखा खाने पर रोक,मंदिर प्रशासन का आदेश

प्रयागराज। श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में पुजारियों और पुरोहितों के पान-

गुटका खाने पर रोक लगा दी गई। 11 जुलाई से शुरू हो रहे सावन मास को देखते हुए यह निर्देश मंदिर प्रशासन की तरफ से जारी किया गया है। इसके साथ ही ऋणमुक्तेश्वर महादेव मंदिर में भी पान-गुटका, तंबाकू आदि के सेवन को कड़ाई से मना किया गया है।श्रावण मास के दौरान बड़ी संख्या में लोग भगवान शिव का अभिषेक कराते हैं। इसको देखते हुए मंदिर प्रशासन की तरफ से जारी सख्त निर्देश के अनुसार यजमान यानी अभिषेक करने के लिए पहुंचने वालों के लिए भी ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। मंदिर प्रशासन की तरफ से जारी निर्देश के अनुसार यजमान पैंट,जींस, शर्ट और टी-शर्ट पूजा के दौरान नहीं पहन सकेंगे। इसके अलावा भगवान शिव की आराधना और अभिषेक कराने वाले पंडितों या ब्राम्हणों को भी इस दौरान धोती, कुर्ता ही पहनना अनिवार्य होगा। वैदिक मान्यताओं के अनुसार कोई भी पुरुष बगैर धोती पहने भगवान शिव के शिवलिंग का स्पर्श नहीं कर सकता है।श्री मनकामेश्वर मंदिर के स्वरूप को महाकुंभ के पहले से ही बदलने की तैयारी शुरू हो गई थी। इसके लिए शासन की तरफ से छह करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। मंदिर को सुसज्जित बनाने के लिए मंदिर के स्वरूप में बदलाव किया गया है। मंदिर के बाहर लगने वाली दुकानों को एक लाइन में लगाकर उनको व्यवस्थित किया गया। इसके अलावा मंदिर के मुख्य द्वार को भी परिवर्तित किया गया। जिससे भक्तों को दर्शन करने में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो सके।

प्रयागराज की लड़की को सऊदी शेख के पास भेजते,पीड़िता बोली- खिदमत कैसे करनी है, ट्रेनिंग देने वाले थे,इससे पहले ही भाग ली

लड़की ने कहा छोटे से कमरे में रखा गया था। वहां पर यूं तो

और भी लड़कियां लाकर ट्रेंड की जा रही थी, मगर कोई किसी से बात नहीं कर सकता था। क्योंकि वो लोग छोटी गलती पर भी सजा देते थे, भूखा-प्यासा रखते थे। हम लोग किसी भी चीज से इनकार नहीं कर सकते थे। वो जब कहते कि उर्दू सीखो तो हम मौलाना के सामने बैठकर शब्दों को दोहराते रहते। वो कहते कि बिना हिजाब डाले, कोई बच्चा सामने नहीं आएगा। वहां हर चीज बताई और सिखाई जाती, जो एक मुस्लिम के लिए जरूरी होती है। एक दिन मेरे कमरे के बाहर खड़े 3-4 लोग आपस में बात कर रहे थे। वो कह रहे थे- इस लड़की को सऊदी भेजना है, ट्रेनिंग में कोई कमी न रखना...वरना बहुत नुकसान होगा। मैं उस दिन जान गई कि अगर यहां से निकल नहीं पाई, तो मुझे कोई ढूंढ भी नहीं पाएगा। फिर 14 मई को मुझे जिस छोटे कमरे में रखा जाता था। उसके बगल के कमरे में मुझे एक मोबाइल मिल गया। इससे मैंने फूलपुर में अपनी मां को काल किया। उन्हें अपनी लोकेशन दी, कहा कि दोबारा कॉल न करें, वरना ये लोग मुझे मार डालेंगे।केरल स्टोरी में एक और खास किरदार सामने आया। मुस्कान के मुताबिक, केरल में मो. ताज उर्फ ताजउद्दीन से मिलवाया गया। वो भी यूपी से लड़कियों को केरल लाने, उनका धर्म परिवर्तन करने, ट्रेनिंग और फिर खाड़ी देशों तक सप्लाई करने की एक कड़ी है। अब तक पुलिस को ताज नहीं मिला है। दिलकशा (बदला हुआ नाम) और कैफ ने पुलिस कस्टडी में कहा- ताज ज्यादा केरल में ही रहता है। वह कभी कभार प्रयागराज तक फ्लाइट से आता था। ताज का जो पता दिलकशा और कैफ ने पुलिस को बताया, वो फेक निकला है। ताज का कोई बैकग्राउंड भी पुलिस के पास नहीं है। ऐसे में प्रयागराज पुलिस और एटीएस केरल पुलिस की मदद से अब ताज को ढूंढ रही है, ताकि इस मामले की कड़ियों को जोड़ा जा सके। ताज की आखिरी लोकेशन केरल में मिली है। पुलिस और एटीएस की एक टीम को केरल भेजा गया है, अब बताया जा रहा है।कोर्ट में पेशी के बाद शाम होने की वजह से मुस्कान को शेल्टर होम 'सखी' में रखा गया है। अब उसको मां के सुपुर्द किया जाएगा। डीसीपी (गंगानगर जोन) कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया- पीड़ित की मां की शिकायत पर मोहम्मद कैफ और उसकी नाबालिग साथी लड़की पर केस दर्ज कर लिया गया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आरोपी संगठित गिरोह चलाते हैं, जो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर कर आतंकवादी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में धकेलने का काम करते हैं। इस मामले में पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। इसके लिए 3 टीम बनाई गई हैं। पीड़िता को प्रयागराज के वन स्टाफ सेंटर भेजा गया है।यूपी के प्रयागराज की नाबालिग दलित लड़की को केरल में आतंकी बनाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने नाबालिग लड़की को अगवा किया। उसे प्रयागराज से केरल ले गए। जबरन धर्म परिवर्तन कराया। फिर उसे जिहाद के नाम से ट्रेनिंग देने लगे। इसी बीच पीड़ित वहां से भागकर केरल के एक रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां रेलवे पुलिस को उसने आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस नाबालिग को लेकर प्रयागराज आई। पीड़ित की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद कैफ और उसकी साथी एक नाबालिग लड़की को अरेस्ट कर लिया है। आरोपियों के गिरोह में कौन-कौन शामिल हैं? यह गिरोह अब तक कितने लोगों को शिकार बना चुका है? इसकी जांच के लिए पुलिस की 3 टीमें बनाई गई हैं। डीसीपी ने बताया- 28 जून को एक दलित महिला ने फूलपुर थाने में शिकायत की थी। इसमें बताया था- 8 मई को मेरी नाबालिग बेटी (15 साल) गांव में ही कोटेदार के यहां शादी की दावत में गई थी, लेकिन वहां से नहीं लौटी। एक दिन मेरे पास बेटी का फोन आया। बेटी ने बताया, गांव की रहने वाली मुस्लिम समुदाय की एक नाबालिग (16) ने मेरा ब्रेनवॉश करा दिया। प्रयागराज पुलिस नाबालिग की तलाश में थी। इसी बीच, केरल की रेलवे पुलिस ने प्रयागराज पुलिस को फोन करके नाबालिग दलित के बारे में जानकारी दी। पुलिस पीड़ित नाबालिग को प्रयागराज लेकर आई।दलित नाबालिग ने पुलिस को बताया- आरोपी लड़की ने मेरा ब्रेन वॉश किया। मुझे पैसे देने का लालच दिया। वह मुझे अपने साथ ले गई। उसके दोस्त लिलहट गांव निवासी मोहम्मद कैफ (19) ने हम दोनों को गाड़ी से प्रयागराज जंक्शन स्टेशन तक पहुंचाया। इस दौरान मोहम्मद कैफ ने मेरे साथ छेड़खानी की। आरोपी लड़की मुझे पहले दिल्ली ले गई। फिर ट्रेन से ही केरल लेकर पहुंची। यहां आरोपी लड़की ने मुझे कुछ संदिग्ध लोगों से मिलवाया। इन लोगों ने पहले मुझे पैसे का लालच दिया, फिर मेरा जबरन धर्म परिवर्तन कराया और जिहाद के लिए दबाव बनाया। एक दिन मैं मौका पाकर वहां से भाग निकली। रेलवे स्टेशन पर पुलिस के पास गई और आपबीती सुनाई। केरल पुलिस ने मेरे परिवार वालों और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मुझे केरल में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद फूलपुर पुलिस पहुंची और मुझे घर लेकर आई।पीड़ित मां ने बताया- एक दिन मेरे पास बेटी ने फोन किया। उसने बताया कि उसे केरल में बंधक रखा है। उसका धर्म परिवर्तन करा दिया। उसने रोते हुए मुझसे कहा- मम्मी मुझे बचा लो। फिर मैं पुलिस के पास पहुंची और शिकायत दी। जब पुलिस में मैंने शिकायत दी तो आरोपियों ने फोन कर मुझे जान से मारने की धमकी दी।प्रयागराज के फूलपुर की जिस दलित नाबालिग लड़की को 3 हजार किलोमीटर दूर केरल में 49 दिन रखा गया। उससे सोमवार को एटीएस ने 5 घंटे तक पूछताछ की। दलित लड़की को ले जाने वाले लड़के और लड़की से भी एटीएस ने सवाल-जवाब किए। एजेंसी जानना चाहती थी कि किस इस्लामिक संगठन ने लड़की को ट्रेनिंग दी। उसको कहां-कहां रखा गया? किस टॉस्क के लिए तैयार किया जा रहा था?

लखनऊ में टीचर पत्नी के सामने ही सास ससुर की मुंह दबाकर कर गर्दन काट दी

लखनऊ। लखनऊ में दामाद ने सास-ससुर की हत्या कर दी। उसने अपनी टीचर पत्नी के सामने ही दोनों का गला चाकू से काट दिया। आरोपी की पत्नी झगड़े के बाद मायके चली आई थी। बुधवार

रात दामाद बच्चे से मिलने के बहाने बैग में चाकू लेकर ससुराल पहुंचा। उसने शराब पी रखी थी। इस दौरान उसकी ससुर से कहासुनी हो गई। उसने ससुर का एक हाथ से मुंह दबाया और दूसरे हाथ से चाकू से गला काट दिया, तभी सास भी आ गई थी। बचाने के लिए दौड़ी तो उसने सास का भी गला काट दिया। पत्नी सरकारी प्राइमरी स्कूल में टीचर है। पत्नी ने बताया- मेरी आंखों के सामने मम्मी-पापा को मार डाला। (रोते हुए..) उसने मम्मी-पापा का गला इस तरह से काटा कि उनकी चीख भी नहीं निकली..। दोनों की ऑन स्पॉट डेथ हो गई। यह देखकर मैं डर गई और शोर मचाने लगी। वह हत्या करने के बाद दोनों के शरीर को चाकू से गोदने लगा। मेरे शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग आ गए। पुलिस के अनुसार, आसपास के लोगों ने आरोपी को दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। मामला आलमबाग थाना क्षेत्र के गढ़ी कनौरा गांव का है।आरोपी की पत्नी पूनम ने बताया- मैं हर बार उनकी ज्यादती को इग्नोर करती थी। अभी कुछ दिन पहले पुलिस में शिकायत कर दी थी। यह फैसला किया गया कि मैं इन्हें बच्चे से मिलने के लिए मना नहीं करूंगी। मुझसे यही गलती हो गई कि इन्होंने फोन कर कहा- बच्चे से मिलना है तो मैंने हां कर दिया। मैंने ये बात कंफर्म की थी कि अगर आपने ड्रिंक किया तो मत आना। बोले कि ड्रिंक नहीं किया है। मैंने एक बार और कहा कि अगर ड्रिंक किया है तो प्लीज मत आना। कल आकर मिल लेना। ये (पति) बोले कि नहीं, मैं फ्रेश हूं।उन्होंने कहा- घर में किरायेदार भी रहते हैं तो गेट खुला रह गया होगा, नहीं तो मैं अंदर न आने देती। आज जब बच्चे से मिलने के लिए आए तो अपने साथ बैग लिया था। उसमें क्या था, मैं नहीं जानती। मैं कमरे में लेटी थी। मम्मी-पापा टीवी देख रहे थे। ये सीधे कमरे में आ गए। मुझे थोड़ा टच किया तो मैं बैठ गई। मुझसे पूछा कि तुमने डिसाइड कर लिया है न? मैंने कहा- अभी जैसा चल रहा है, चलने दीजिए। अभी मैं कुछ नहीं कह सकती।पूनम ने बताया- पापा इधर ही देख रहे थे। इन्होंने पापा को अंदर बुलाया। पापा से बोले कि मैं काम कर रहा हूं। अब मैं परिवार देख लूंगा। इस पर पापा ने कहा कि 10 साल से देख ही तो रहे हो। वो आपको 10 साल से झेल रही है। इतना सुनते ही उन्होंने पापा का एक हाथ से मुंह दबा दिया और दूसरे हाथ से पापा का गला चाकू से काट दिया। पापा की आवाज तक नहीं निकल पाई थी। (पूनम रोने लगती हैं...) मम्मी उठकर आ गई थीं..उनका भी गला काट दिया। डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया- गढ़ी कनौरा के अनंत राम रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारी थे। उन्होंने अपनी बेटी पूनम की शादी 2016 में निशातगंज निवासी जगदीप से की थी। पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर पूनम पिछले दो महीने से अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। जगदीप बुधवार को पत्नी को ले जाने और सास-ससुर से बात करने के लिए ससुराल पहुंचा। रात करीब 9 बजे बातचीत के दौरान ही विवाद बढ़ने पर जगदीप ने चाकू से हमला कर सास और ससुर को घायल कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी की पत्नी मोहनलालगंज के करौरा प्रथमिक विद्यालय में टीचर है।चश्मदीद धर्मशिला देवी ने बताया- मैं मकान के ऊपर के हिस्से में किराये पर रहती हूं। पूनम ने दीदी-दीदी शोर मचाया, तब मैं नीचे आई। देखा तो आशा देवी और अनंत राम कमरे में लहूलुहान हालत में पड़े थे। आरोपी जगदीप ने मुझे पर भी चाकू से हमला करने की कोशिश की। मैं जान बचाकर बाहर की तरफ भागी। तब तक मोहल्ले के लोग जुट चुके थे। जगदीप को दौड़ाकर पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मोहर्रम पर प्रयागराज में निकला ऐतिहासिक दुलदुल जुलूस,24 घंटे तक चलने वाले जुलूस में हजारों श्रद्धालु शामिल,शहर के ऐतिहासिक हिस्सों से गुजरेगा

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में मोहर्रम की सातवीं

पर एक बार फिर ऐतिहासिक और धार्मिक परंपरा को जीवंत करते हुए इमामबाड़ा सफदर अली बेग, पान दरीबा से क़दीमी गश्ती दुलदुल जुलूस निकाला गया। भोर में शुरू हुआ यह जुलूस चौबीस घंटे तक शहर की विभिन्न गलियों और मुहल्लों से गुजरते हुए पुनः इमामबाड़े पर समाप्त होगा। यह जुलूस शाहगंज, अलीगंज, नखास कोहना, अहमदगंज, बख्शी बाजार, रौशनबाग, सियाहमुर्ग, दायरा शाह अजमल, रानी मंडी, बहादुरगंज, घंटाघर समेत शहर के पुराने और ऐतिहासिक हिस्सों से गुजरते हुए सांप्रदायिक सौहार्द और परंपरा का प्रतीक बना रहा। दुलदुल दरअसल इस्लामी मान्यता में पैगंबर मोहम्मद के सफेद खच्चर का नाम था, जिसे प्रतीक रूप में सजाया गया और श्रद्धा से जुलूस में शामिल किया गया। लोग इसे छूकर मन्नतें मांगते हैं और श्रद्धा से दूध, चना, या फूल अर्पित करते हैं। प्रयागराज में यह जुलूस न सिर्फ शिया समुदाय के लिए आस्था का केंद्र है, बल्कि यह शहर की साझा संस्कृति और भाईचारे की मिसाल भी है। जुलूस में हज़ारों लोग, पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल होते हैं और 'या हुसैन, या अब्बास' के नारों के साथ मातमी जुलूस को आगे बढ़ाते हैं। प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए हैं और संवेदनशील रास्तों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि जुलूस शांतिपूर्ण और सम्मानजनक तरीके से संपन्न हो सके। दुलदुल जुलूस प्रयागराज की गंगा-जमुनी तहज़ीब की एक अनमोल झलक है, जो वर्षों से बिना किसी व्यवधान के लोगों को एकजुट करता आ रहा है। यह परंपरा हर साल मोहर्रम में अकीदत, अनुशासन और आपसी एकता का उदाहरण बनकर सामने आती है।

बरसात में बढ़ा सांपों का खतरा प्रयागराज में,एक हफ्ते में 12 सर्पदंश, दो मरीज आईसीयू में भर्ती,बारिश से बिलों से निकल रहे सांप

प्रयागराज। मानसून के चलते प्रयागराज समेत

आसपास के जिलों में सर्पदंश (सांप के काटने) के मामलों में तेजी आई है। लगातार बारिश से जहरीले जीव-जंतुओं के बिलों में पानी भर रहा है, जिससे ये जीव भोजन और सुरक्षित स्थान की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर आने लगे हैं। इसके कारण ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ गई हैं। बीते एक हफ्ते में प्रयागराज जिले में सर्पदंश के 12 से अधिक मामले सामने आए हैं। नारायण स्वरूप अस्पताल में ऐसे दो गंभीर मरीजों का इलाज किया जा रहा है। पहला मामला कौशांबी जिले के चायल क्षेत्र से है, जहां 11 साल की बच्ची खुशी को विषैले जीव ने काट लिया। बच्ची को अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर एंटी स्नैक वेनम दिया गया। दूसरा मामला प्रतापगढ़ का है, जहां 35 वर्षीय कथावाचक को रात में जमीन पर सोते समय करैत सांप ने काट लिया। उसे भी गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया और वेंटिलेटर सपोर्ट के साथ इलाज शुरू किया गया। दोनों मरीजों का इलाज कर रहे वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव सिंह के अनुसार, करैत और कोबरा मैदानी इलाकों में पाए जाने वाले सबसे विषैले सांप हैं। इनके जहर से ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड पैरालाइज हो सकते हैं। खास बात यह है कि करैत सांप के काटने पर दर्द नहीं होता, लेकिन थोड़ी देर में शरीर शिथिल हो जाता है और सांस रुकने की स्थिति बन सकती है। डॉ. सिंह ने बताया कि समय पर इलाज होने से दोनों मरीजों की जान बचाई जा सकी है। उन्होंने लोगों को मानसून के मौसम में खास सावधानी बरतने की सलाह दी है, जैसे खेतों में जाते समय जूते पहनना, घर के आसपास की झाड़ियों की सफाई रखना, और रात में जमीन पर न सोना।

हाईकोर्ट बार चुनाव:52 प्रत्याशियों का नामांकन,अध्यक्ष के लिए अब तक पांच, महासचिव पद पर एक ने की दावेदारी

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार

एसोसिएशन की 28 सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव में नामांकन के दूसरे दिन विभिन्न पदों पर 52 प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किए। पहले दिन 20 प्रत्याशियों ने पर्चे दाखिल किए थे। चुनाव समिति के अनुसार बुधवार को अध्यक्ष पद पर अविनाश चन्द्र तिवारी, देवी प्रसाद सिंह एवं लाल धारी राजभर, महासचिव पद के लिए उदय शंकर तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर आचार्य राजेश त्रिपाठी एवं अखिलेश कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष के पांच पदों पर अखिलेश कुमार तिवारी, अब्दुल मजीद, आशुतोष उपाध्याय, अमित कुमार सिंह, फखरूल इस्लाम जाफरी, रवि प्रकाश सिंह कुशवाहा, राजेन्द्र कुमार राठौर, सुरेश कुमार, शक्ति सिंह, उलझन सिंह बिन्द, विनोद कुमार यादव एवं विनोद राय, संयुक्त सचिव प्रशासन पद के लिए भूदेव यादव, नबी उल्लाह, ओम आनंद एवं सर्वानंद पांडेय, संयुक्त सचिव प्रेस पद पर सर्वेश चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष पद पर अंजनी कुमार मिश्र, अशोक कुमार सिंह एवं मंजू कुमारी तथा गवर्निंग काउंसिल सदस्यों के 15 पदों पर दूसरे दिन कुल 26 प्रत्याशियों ने नामांकन प्रपत्र भरे। चुनाव समिति ने बार-बार आग्रह करने के बावजूद प्रत्याशियों के चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर कोर्ट गलियारों में चुनाव से सम्बन्धित अपने नाम के पैंफलेट व हैंडबिल बांटे जाने को गंभीरता से लिया है।प्रत्याशियों को आगाह किया है ऐसा न करें। मुख्य चुनाव अधिकारी आरके ओझा, चुनाव अधिकारी अनिल भूषण, वशिष्ठ तिवारी व महेंद्र बहादुर सिंह के अनुसार चुनाव समिति इस इसके लिए परिसर में टीवी लगाएगी, जिस पर प्रत्याशियों और उनके पद की जानकारी चलती रहेगी।लेकिन किसी प्रत्याशी (किसी भी पद) द्वारा पैंफलेट व हैंडबिल कोर्ट गलियारे एवं उच्च न्यायालय परिसर में बांटते हुए पाए टेलीविजन में सम्बन्धित प्रत्याशी का नाम उक्त प्रसारण सूची से हटा दिया जाएगा।

नाजरेथ अस्पताल में मनाया गया चिकित्सक दिवस समारोह

प्रयागराज। बीते मंगलवार को

नाजरेथ अस्पताल में मनाया गया चिकित्सक दिवस समारोह नाजरेथ अस्पताल ने 1 जुलाई 2025 को अपने चिकित्सकों के प्रति बड़े उत्साह एवं हार्दिक कृतज्ञता के साथ राष्ट्रीय चिकत्सक दिवस मनाया । समारोह की शुरुआत स्कूल ऑफ नर्सिंग सभागार में रात 08:30 बजे हुई, जहाँ चिकित्सक, कर्मचारीगण तथा आमंत्रित अतिथियों ने जीवन सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं जन कल्याण को बढ़ावा देने में चिकित्सकों की महान सेवा का सम्मान करने के

उद्देश्य से एकत्र हुए। कार्यक्रम की शुरुआत नर्सिंग स्टाफ द्वारा प्रस्तुत एक भावपूर्ण प्रार्थना गीत से हुई, जिसमें सभी चिकित्सकों के लिए आशीर्वाद की प्रार्थना की गयी तथा उनके अटूट समर्पण एवं निःस्वार्थ सेवा के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए एक शांत धुन के माध्यम से श्रद्धापूर्ण वातावरण बनाया गया। नाजरेथ अस्पताल के प्रशासक रेव्ह फादर इसीडोर डीसूजा ने स्वागत भाषण दिया एवं सभी चिकित्सकों व उपस्थितजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से संकट के समय चिकित्सकों की अमूल्य भूमिका

पर प्रकाश डाला तथा मरीजों की देखभाल में उनके अतुल्य प्रयासों की प्रशंसा की। केक काटने का समारोह इस कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण था। इस अवसर के लिए विशेष केक की व्यवस्था की गयी थी, जिसे उपस्थित सभी चिकित्सको ने सम्मिलित रूप से केक काटा। जो एकता, सम्मान एवं स्वास्थ्य सेवा में एक टीम भावना का प्रतीक था। महाधर्माध्यक्ष लुईस मस्कारेनहास, अध्यक्ष, नाजरेथ अस्पताल, प्रयागराज, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। नाजरेथ अस्पताल के निदेशक रेव्ह फादर विपिन डिसूजा ने भी समस्त चिकित्सकों को अपनी शुभकामनाएं दीं। आपने ने चिकित्सकों के निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से इस कार्यक्रम को और भी रंगीन एवं मनोहारी बना दिया।कार्यक्रम का समापन स्नेहभोज के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितजनों के लिए भोजन की सुरुचि व्यवस्था की गयी थी। यह एकता, मेलजोल एवं आपसी सौहार्द का अवसर बना, जिसमें विभिन्न विभागों के लोगों ने आपस में एक-दूसरे के साथ संवाद एवं सौहार्द साझा किया। नाजरेथ अस्पताल में चिकित्स दिवस का यह उत्सव एक अविस्मरणीय पल रहा, जिसमें चिकित्सकों की सेवा, समर्पण एवं मानवता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हेतु उन्हें प्रेम, संगीत तथा आभार के साथ सम्मानित किया गया।

सावन कांवड़ यात्रा की तैयारी पूरी,प्रयागराज में कांवड़ यात्रा को लेकर डीएम ने करि तैयारी,श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष प्रबंध

प्रयागराज। सावन के पावन महीने की शुरुआत 11 जुलाई से हो रही है, और इसके साथ ही संगम नगरी

प्रयागराज में एक बार फिर भक्ति और आस्था का माहौल बनने जा रहा है। भगवान शिव के प्रिय इस महीने में हज़ारों श्रद्धालु कांवड़ लेकर गंगाजल भरने संगम के दशाश्वमेध घाट पर पहुंचते हैं और वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर समेत अन्य शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। इस पावन अवसर को देखते हुए जिला प्रशासन ने कांवड़ यात्रा को लेकर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांडड ने बताया कि कांवड़ यात्रा के रूटों को पहले ही चिन्हित कर लिया गया है, और जिन मार्गों पर गड्ढे थे, उनकी मरम्मत पीडब्लूडी और एनएचएआई के सहयोग से पूरी कर ली गई है। शास्त्री ब्रिज की टूटी रेलिंग को भी दुरुस्त करा दिया गया है, जिससे यात्रा सुगमता से संपन्न हो सके। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हर जरूरी विभाग को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रमुख शिवालयों जैसे दशाश्वमेध महादेव, मनकामेश्वर मंदिर, सोमेश्वर महादेव, पडिला महादेव और नागवासुकी मंदिर में विशेष साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और मार्ग सुधार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घाटों पर जल पुलिस और गोताखोरों की भी तैनाती की जा रही है। कांवड़ यात्रा मार्गों पर मांस और शराब की दुकानों को पूरी तरह बंद रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि धार्मिक मर्यादा बनी रहे। डीएम ने साफ किया कि इस बार किसी भी प्रकार की नई परंपरा की शुरुआत नहीं होने दी जाएगी। साथ ही, कांवड़ियों के साथ चलने वाले डीजे साउंड की ऊंचाई और ध्वनि स्तर पर भी नियंत्रण रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि श्रद्धा के इस पर्व में किसी भी तरह की अशांति या दुर्घटना न हो।

CHANGE OF NAME

I, PINTU RAM KANOJIYA s/o Late Phoolchand Kanojiya date of birth 15 Jun 1986 and wife (son mother) name RANJANA KANOJIYA, residing at LJ03, LIG, Naini Awas Yojana, Ground Floor, ADA Colony Naini Prayagraj PIN 211008 (UP), do hereby solemnly affirm and declare as follows:

1. That I am the natural guardian of my son, PRATEEK KANOJIYA date of birth 13 Sep 2012

2. It is necessary to change the surname of my son from PRATEEK KANOJIYA to PRATEEK KUMAR CHAUDHARY.

3. That the bridge of the affidavits is PRATEEK KANOJIYA alias PRATEEK KUMAR CHAUDHARY both names are of the same person.

4. That henceforth, for all legal and official purposes, my son shall be known by the surname PRATEEK KUMAR CHAUDHARY. Therefore both name

hat this affidavit is made for the purpose of registering the change of surname of my son and for all other wful purposes.

at the contents of this affidavit are true to the best of my knowledge and belief.

अनुप्रिया के मंत्री पति आशीष पटेल ने दिखाए बगावती तेवर,बोले- अपना दल को 1700 करोड़ में खत्म करने की साजिश,गिरफ्तारी का शक जताया

लखनऊ। यूपी सरकार में मंत्री आशीष पटेल ने बुधवार को लखनऊ में बीजेपी का नाम लिए बगैर बगावती तेवर दिखाए। कहा, अपना दल को खत्म करने के लिए 1700 करोड़ रुपए की ताकत लगाई गई है। आगे चलकर हमें झूठे मुकदमे में फंसाया जा सकता है। कुछ भी हो सकता है। आशीष पटेल, केंद्र में मंत्री अनुप्रिया पटेल के पति और अपना दल (एस) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। यूपी में उनका दल एनडीए का सहयोगी है। आशीष पटेल ने कहा, हमने ईमानदारी से 2014 से गठबंधन धर्म निभाया है। आगे भी गठबंधन धर्म निभाएंगे। लेकिन, आप षड्यंत्र करेंगे। पीठ पीछे छुरा घोंपने की कोशिश करेंगे, तो हम उसका जवाब देंगे। मंत्री आशीष डॉ. सोनेलाल पटेल की 76वीं जयंती पर लखनऊ के रविंद्रालय भवन में बोल रहे थे। अनुप्रिया पटेल भी कार्यक्रम में थीं। अनुप्रिया और आशीष ने मंच से उन बागी साथियों को भी मैसेज देने की कोशिश की, जिन्होंने एक दिन पहले ही 'अपना मोर्चा' नाम से नाई पार्टी बनाई है। मोर्चा का दावा था कि उनके संपर्क में पार्टी के 9 विधायक हैं, और दिल्ली वालों का इशारा मिलते ही वे हमारे साथ खड़े दिखेंगे। साथ ही अपना मोर्चा ने खुद को असली अपना दल (एस) होने का दावा किया है।आशीष पटेल ने कहा, अपना दल का गठन सामाजिक न्याय के लिए हुआ है। अपना दल धीरे-धीरे अपने कदम बढ़ा रहा है। मैं पीएम नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने हमारी नेता (अनुप्रिया पटेल) द्वारा उठाए गए सामाजिक न्याय के हर मुद्दे पर त्वरित निर्णय लिया। फिर चाहे केंद्रीय विद्यालय में एडमिशन का प्रकरण हो, या फिर नीट की परीक्षा हो और या फिर जातिगत जनगणना की बात हो।लेकिन, जैसे-जैसे दल आगे बढ़ रहा है। वैसे-वैसे षड्यंत्र भी बढ़ रहा है। आप सबको अंदाजा होगा कि षड्यंत्र किसके विरूद्ध होता है? जिससे आपको डर लगता है। अपना दल किसी से डरने वाला नहीं है। आज आपकी इतनी संख्या देखकर मैं खुद डर गया कि व्यवस्था कैसे करूंगा, लेकिन डर के आगे जीत होती है।मंत्री ने दावा किया कि जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की जातिगत जनगणना की बात मानी गई, वैसे ही षड्यंत्र हुआ। हमारी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष (राजकुमार पाल) से इस्तीफा दिला दिया गया। आपको लगता है जो आदमी मंच की पहली सीट पर बैठता था, आज कहां खड़ा है। फोटो तो आप सबने देखा होगा। ये बड़ा षड्यंत्र था, लेकिन अपना दल के कार्यकर्ताओं ने इसका जवाब दे दिया। मैने पिछली बार भी कहा था कि अपना दल किसी से डरने वाला नहीं है। अपने सामाजिक न्याय के क्षेत्र में काम करता रहा है और करता रहेगा। आप हमारे खिलाफ एक षड्यंत्र करेंगे, हम चार इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम बदल देंगे। हमने हाल ही में डॉ भीमराव अम्बेडकर से लेकर सरदार पटेल, महारानी अहिल्याबाई के नाम पर इंजीनियरिंग कॉलेजों का नामकरण किया है। धन्यवाद देना चाहूंगा पीएम मोदी का, जिन्होंने ऐसे कार्यों की सराहना की।आप षड्यंत्र करते हैं। हमारे सारे मीडिया के साथी हैं, माफ करिएगा। आप लोगों को मसाला चाहिए। मसाला कहां से मिलेगा? बहुत सारे लोग नीचे बैठे हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय सचिव से लेकर राष्ट्रीय महासचिव तक हैं। लेकिन उनका चार लाइन नहीं छपता है। जानते हैं क्यों, क्योंकि उनके पीछे 1700 करोड़ की ताकत नहीं है। 1700 करोड़ की ताकत समझ रहे हैं ना। उनके पीछे 1700 करोड़ की ताकत है। जब हमारे खिलाफ षड्यंत्र करना होता है तो बड़ा-बड़ा समाचार उन लोगों की छपवाया जाता है, जिनकी कोई हैसियत नहीं है। राजनीतिक रूप से मर चुके ऐसे लोगों को कब्र से ढूंढ़ कर लाया जाता है। और षड्यंत्र कब किया जाता है?, जब भी कोई बड़ा कार्यक्रम होने वाला होता है। जैसे दो जुलाई को संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल की जन्म जयंती का कार्यक्रम है, तो दो दिन पहले कुछ बागियों को खड़ा कर दिया गया।आशीष ने कार्यकर्ताओं से कहा, आपकी नेता (अनुप्रिया) सामाजिक न्याय का कोई बड़ा काम करके लाती हैं, तो उसके पहले इस तरह का षड्यंत्र किया जाता है। आपके सामने बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे मीडिया के साथी भी, इसमें उनका साथ देते हैं। पर आपको नहीं डरना है। आज कल सोशल मीडिया ज्यादा प्रभावी हो गया है। सच बहुत दिनों तक छुपता नहीं है। मैं तो चैलेंज के साथ कह रहा हूं। अपना दल अपने एजेंडे से एक कदम पीछे नहीं हटा। ये हमारे महासचिव, सारे सचिव, सारे विधायक और सारे कार्यकर्ता बैठे हैं। इन सबके दिल में सिर्फ एक चीज बैठी है कि वंचितों की लड़ाई, जो अपना दल ने शुरू किया है, उसे आगे लेकर जाना है।मंत्री ने कहा, देखिए क्या इतना षड्यंत्र किसी और के खिलाफ होता है। और भी सहयोगी दल हैं, उनके खिलाफ षड्यंत्र क्यों नहीं होता है? क्योंकि आपकी पार्टी धीरे-धीरे अपने एजेंडे पर आगे बढ़ रही है। ये सामाजिक न्याय के विरोधी लोग हैं, वे षड्यंत्र करते हैं। लोग बार-बार मंत्री पद की बात करते हैं। अपना दल के एजेंडे के आगे मंत्री पद की कोई हैसियत नहीं है। ये आज मैं आप सबके सामने कह रहा हूं। अगर हमारी बात हमारे विषय नहीं सुने जाएंगे, हमारे खिलाफ षड्यंत्र होगा, तो अपना दल का हर कार्यकर्ता पूरी ताकत से जवाब देगा। और सबसे छोटा कार्यकर्ता मैं हूं, तो उतनी ताकत से मैं भी जवाब दूंगा। हमारी पार्टी की ओर से सामाजिक न्याय का जब भी विषय उठाया गया, तो हमारी नेता को बुलाकर पीएम ने समझा और उस पर आगे बढ़कर निर्णय लेने का काम किया। बहुत सारे काम बचे हुए हैं। पर हमें डरना नहीं है। हमारे लोगों के खिलाफ जब भी षड्यंत्र होगा। आपने देखा होगा चाहे बदायूं हो, फतेहपुर हो या बिल्हौर हो। आपका भाई आपके साथ हमेशा मजबूती से खड़ा रहा है और हर पीड़ित के साथ खड़ा रहेगा।आशीष पटेल ने कहा, एक बात और मैं कह दूं, जो लोग ये सोचते हैं कि अपना दल को खत्म कर देंगे वे भ्रम में हैं। आपके हर हमले का उतनी ही ताकत से जवाब देंगे। मैं आज सबके सामने ये सौगंध ले रहा हूं। अपना दल ने डरना नहीं सीखा है। बड़ी-बड़ी खबरें प्लांट करा सकते हैं, लेकिन सच्चाई को आप कभी झुठला नहीं सकते हैं। आप जानते हैं किन लोगों को लाया जाता है। उन लोगों को लाया जाता है, जो सुबह कहीं और रहते हैं और शाम को किसी और के घर में जाकर सोते हैं। धीरे-धीरे सबका षड्यंत्र सामने आएगा।पटेल ने कहा, अपना दल का हर कार्यकर्ता जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन हमारी सहनशीलता का लेवल बहुत हाई है। संस्थापक सोनेलाल डॉ. पटेल ने बहुत सहा है, हम भी सह रहे हैं। हम तो कहते हैं कि जितना षड्यंत्र रचने में ताकत लगाते हैं, उतना हमारे वंचित लोगों की समस्या हल कराने में लगाइए, शायद इससे ज्यादा आपका भला होगा। हमारे साथियों सामाजिक न्याय के बहुत सारे विषय है। बहुत सारे हल कराए हैं। जैसे ही हमने चार इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम बहुजन महापुरुषों के नाम पर रखा। तो कल-परसों एक नया षड्यंत्र रचकर हमारे इस कार्यक्रम को डिस्टर्ब करने की कोशिश की गई।आशीष पटेल ने कहा, मैं तो एक बात और कहूंगा आज मैं उसका जवाब दे रहा हूं। आप षड्यंत्र करेंगे, मैं अम्बेडकर नगर के इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम छत्रपति साहूजी महाराज के नाम पर करता हूं। मैं जवाब दे रहा हूं। मेरा काम है आपके हर षड्यंत्र का जवाब देना। आप जितना षड्यंत्र करेंगे, उतना हम सामाजिक न्याय की बात करेंगे। एक बात और कहूंगा, ये बात सबके दिमाग में घुस जाना चाहिए कि सरकार बनती कैसे है? वंचित वर्ग के सपोर्ट के बिना न तो पहले कोई सरकार बनी है, न आज बन सकती है और न भविष्य में बन सकती है। और वंचित वर्ग की आवाज को आपको सुनना पड़ेगा। जो नहीं सुनेगा वो बर्बाद हो जाएगा। ये आप भी जानते हैं मैं भी जानता हूं और पूरा उत्तर प्रदेश इस बात को जानता है।आशीष पटेल ने अपनी गिरफ्तारी का भी संदेह जताया। कहा, हो सकता है किसी दिन मुझकोष्ठ आप समझ रहे हैं न मैं क्या कहना चाहता हूं। जिस दिन मेरे साथ ये षड्यंत्र होगा। उस दिन मेरे साथ अपना दल के लाखों कार्यकर्ता भी चलेंगे। यही मैं आपको कहने जा रहा हूं। जानते हैं ड्रामे से आपको बचना है। ये समझना होगा कि अपना दल का जब-जब बड़ा कार्यक्रम होता है, तो उससे पहले षड्यंत्र करने वाले लोग कौन हैं?? उन लोगों को पहचानना है और उनका सोशल मीडिया के माध्यम से सच उजागर करना होगा। क्योंकि आपके हाथ में 1700 करोड़ नहीं है, इसलिए मीडिया आपका साथ नहीं देगी। आपका कुछ नहीं छपेगा। एक केंद्रीय मंत्री बोलेगा तो उसका इतना छोटा सा छपेगा और सड़क छाप लोग यदि कुछ बोलेंगे, तो उनका बड़ा सा छपेगा। क्योंकि उनके पीछे बड़ी ताकत है।केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल 1700 करोड़ के आरोपों के सवाल को टाल गईं। उन्होंने कहा, आशीष पटेल जी से पूछिए। अपना दल (एस) लंबे समय से पीएम मोदी के नेतृत्व में कई चुनाव गठबंधन में लड़ चुका है। हमने लोकसभा और विधानसभा का चुनाव साथ लड़ा और उसके सार्थक परिणाम भी आए हैं। 2027 में अपना दल 2022 से भी बेहतर प्रदर्शन दोहराएगा। हर पार्टी अपने संगठन को मजबूत करती है। हमारे गठबंधन के अन्य सहयोगी दल भी अपने संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। हम हर जिले में संगठन को मजबूत करने में लगे हैं। हम एनडीए गठबंधन में है। अपने संगठन को आने वाले चुनाव के लिए तैयार करने में जुटे हैं। पंचायत चुनाव हर पार्टी के छोटे और जमीनी कार्यकर्ता के लिए एक अवसर होता है। हमारी पार्टी भी इसकी जोर-शोर से तैयारी कर रहे हैं। बड़ी संख्या में हमारे कार्यकर्ता पंचायत चुनाव लड़ेंगे।कार्यक्रम में अनुप्रिया की छोटी बहन अमन पटेल भी मौजूद रहीं। आशीष पटेल सहित सभी वक्ताओं ने उनका नाम लिया। अनुप्रिया की अपनी मां कृष्णा पटेल और पल्लवी पटेल से नहीं बनती है। ऐसे में अमन को सामने लाकर ये संदेश देने की कोशिश की गई कि डॉ. सोनेलाल पटेल की असली उत्तराधिकारी अपना दल (एस) ही है। दल के सभी 13 विधायक भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। इसके अलावा सभी महासचिव, सचिव और प्रदेश भर के कोने-कोने से पार्टी के कार्यकर्ता पहुंचे थे। जहां अनुप्रिया पटेल ने पार्टी के संस्थापक डॉ सोनेलाल पटेल के जन्म जयंती अवसर पर पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

जुलाई माह की ग्राम चौपाल के लिए अधिकारी नामित

रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने माह जुलाई 2025 के प्रत्येक शुक्रवार को समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली ''ग्राम चौपाल'' (गाँव की समस्याए गाँव में समाधान) के लिए विकास खण्डवार रोस्टर निर्धारित किया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त, श्रम रोजगार एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपाल में से किसी एक विकासखंड की ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। निर्धारित रोस्टर के अनुसार 04 जुलाई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकास खण्ड सतांव में, जिला विकास अधिकारी विकास खण्ड राही में, उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड महराजगंज में एवं विकास खण्ड छतोह में उपायुक्त, स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में किसी एक विकास खण्ड के ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। इसी प्रकार 11 जुलाई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 डीह में, जिला विकास अधिकारी जगतपुर में, उपायुक्त, श्रम रोजगार ऊंचाहार में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार रोहनियां में। 18 जुलाई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 खीरों में, जिला विकास अधिकारी शिवगढ़ में, उपायुक्त, श्रम रोजगार डलमऊ एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार दीनशाहगौरा में। 25 जुलाई को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 बछरावां में, जिला विकास अधिकारी लालगंज में, उपायुक्त, श्रम रोजगार हरचंदपुर में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड सरेनी के किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

सीएम अभ्युदय योजना के अंतर्गत अध्यापन कार्य के लिए अतिथि प्रवक्ता के चयन हेतु कोर्सवार एवं विषयवार आवेदन पत्र आमंत्रित : सृष्टि अवस्थी

रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी ने बताया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत प्रतियोगी परीक्षा, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी हेतु जनपद में संचालित निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अध्यापन कार्य के लिए अतिथि प्रवक्ता के चयन हेतु कोर्सवार एवं विषयवार आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे है, जिसमें सिविल सेवा परीक्षा कोर्स, विषय - 1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी। 2. पर्यावरण एवं प्रबंधन। योग्यता- आई0ए0एस0 मुख्य परीक्षा अथवा पी0सी0एस0 (साक्षात्कार) अथवा दो बार पी0सी0एस0 (मुख्य परीक्षा) उत्तीर्ण हो उन्होंने बताया है कि इच्छुक अध्यापकगण अपनी शैक्षिक योग्यता और अनुभव के साथ सी0वी0 सहित आवेदन पत्र अभ्युदय प्रशिक्षण केन्द्र, पी0एम0 श्री राजकीय इंटर कालेज, रायबरेली/जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में 04 जून, 2025 से 10 जून, 2025 तक प्राप्त किये जाएगें। निर्धारित तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नही किये जाएगें।

बीजेपी और आतंकवादियों में कोई फर्क नहीं, दोनों जाति पूछकर मारते हैं.. कांवड़ यात्रा विवाद पर बोले सपा विधायक

लखनऊ। कांवड़ यात्रा रूट पर नेमप्लेट और दुकान-ढाबा कर्मचारियों की जानकारी चाहती है। प्रदेश की जनता सपा के इस मंसूबे को कभी पूरा नहीं होने देगी। सपा विधायक रविदास

सार्वजनिक करने के मामले में राजनीति माहौल गरमाता जा रहा है। सपा के पूर्व सांसद एसटी हसन के बाद अब लखनऊ मध्य से विधायक रविदास मेहरोत्रा ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने बीजेपी की तुलना आतंकवादियों से की है। उनके बयान पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पलटवार किया। कहा कि आतंकियों की तुलना कांवड़ यात्रियों से करना बेहद निंदनीय है। सपा यूपी में शरिया कानून लागू करना चाहती है। सपा मुस्लिम तुष्टीकरण को बढ़ावा देकर वोट बैंक बनाना मेहरोत्रा ने बीजेपी और आतंकियों को एक तरह ही बताया है। कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान जो कांवड़ रूट पर दुकानें लगाते हैं, उनसे जाति और धर्म पूछना पूरी तरह से गलत है। बीजेपी और आतंकवादियों में कोई अंतर नहीं है। दोनों जाति और धर्म पूछकर हमला करते हैं। उनके इस बयान पर बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि सपा नेताओं के बयान अखिलेश यादव के इशारे पर हो रहे हैं। सपा नेता अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। मुजफ्फरनगर के नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में पंडित शुद्ध वैष्णो भोजनालय पर 28 जून को बघरा आश्रम के स्वामी यशवीर महाराज अपने अनुयायियों के साथ पहचान अभियान के तहत पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने होटल स्टाफ की पैंट उतरवाकर उनकी पहचान जानने की कोशिश की। वहीं, स्वामी यशवीर महाराज का कहना है कि बारकोड पर हिंदू का नाम लिखा था, जब उन्होंने उसको स्कैन किया तो उसमें मुस्लिम का नाम आया। इस मामले में छह लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामला सामने आने के बाद अब यह राजनीति रूप लेता जा रहा है।

रायबरेली जनपद का पहला जत्था बाबा जगमोहन ईश्वर महादेव मंदिर चंद्रापुर मंदिर प्रांगण से दोपहर रवाना हुआ

रायबरेली। बुधवार अमरनाथ यात्री संघ का

20वा रायबरेली जनपद का पहला जत्था बाबा जगमोहन ईश्वर महादेव मंदिर चंद्रापुर मंदिर प्रांगण से दोपहर 2:00 बजे रवाना हुआ इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट श्री राम अवतार चंद्रापुर राजा परिवारकी ओर से छोटी रानी श्रीमती ममता सिंह ने त्रिशूल पूजन किया एवं सभी शिव भक्तों को अंग वस्त्र पहनत कर सम्मान किया आचार्य पंडित श्रवण कुमार द्विवेदी एवं आचार्य पंडित अभिषेक मिश्रा ने स्वस्थ वत्चन का पाठ किया तथा त्रिशूल पूजन संपन्न कराया जगमोहनेश्वर धाम कमेटी की ओर से श्री धार्मेंद्र श्रीवास्तव, मंटू शुक्ला आशीष सविता राजीव दीक्षित ने सभी शिव भक्तों को पट्टी का पहना करके सम्मान किया और सभी भक्तों को हलवा प्रसाद का वितरण कियागया मंदिर प्रांगण से मंटू शुक्ला ने शंख ध्वनि एवं जयकारों के साथ जत्था को आगे की ओर गत प्रदान किया नगर मजिस्ट्रेट श्री राम अवतार एवं जहानाबाद चौकी इंचार्ज श्री आखिल पूरे रास्ते पर व्यवस्था को सूचत्र ढंग से व्यवस्थित करते रहे सुपर मार्किट में ओम शक्ति शिव मानव सेवा मंडल दैनिक भंडारा, रामकृपाल चौराहे पर श्री धर्मेंद्र श्रीवास्तव एवं घंटाघर पर व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्री अतुल गुप्ता एवं रायबरेली के जिला अध्यक्ष श्री प्रभाकर गुप्ता ने तथा कोतवाली नगर में प्रभारी निरीक्षक कोतवाल श्री राजेश कुमार सिंह ने अपनी पूरी टीम के साथ फूलों से बरसात किया दीवानी कचहरी पर मुकेश रस्तोगी एवं बस स्टॉप पर शक्ति एंटरप्राइजेज के द्वारा स्वागत किया गया शरबत प्रसाद एवं लंच पैक का वितरण किया गया पुरी यात्रा में श्री जगदीश जय नानी महेंद्र अग्रवाल, रामराज गिरी पंकज मिश्रा, शैलेंद्र अग्निहोत्री,राम प्रकाश, राजू अग्रवाल, रामराज गिरी की उपस्थिति उल्लेखनी रही

कौशल विकास संस्थान रायबरेली के 70 प्रशिक्षार्थी टी.डी.के. कंपनी, रेवाड़ी (हरियाणा) के लिए हुए रवाना

रायबरेली। रायबरेली स्थित कौशल विकास संस्थान (एउ्ध) के प्रशिक्षार्थियों के लिए 01 जुलाई 2025 का दिन गौरव का क्षण लेकर आया, जब संस्थान के इंडस्ट्रियल वेल्डर और पाइप फिटर ट्रेड के 70 प्रशिक्षार्थी देश की औद्योगिक प्रगति में भागीदारी निभाने के लिए टी.डी.के. कंपनी, रेवाड़ी (हरियाणा) के लिए रवाना किए गए। कौशल विकास मिशन, प्रबंधन राजीव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इन प्रशिक्षार्थियों को भारत सरकार की महारत्न कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के नेतृत्व में, तेल एवं गैस कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (र्एें) निधि से संचालित कौशल विकास संस्थान, रायबरेली द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। संस्थान का उद्देश्य युवाओं को दक्ष बनाकर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है।इस कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अ?जेशमणि त्रिपाठी द्वारा तैयार की गई, तथा आवश्यक मार्गदर्शन संस्थान के सचिव संजय वर्मा द्वारा प्रदान किया गया। विदाई के इस महत्वपूर्ण अवसर पर रायबरेली रेलवे स्टेशन पर एक संक्षिप्त समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक विवेक कुमार

तिवारी, सहायक सेवायोजन अधिकारी तनुजा यादव, स्टेशन अधीक्षक मोहम्मद शाहबाज मुजफ्फर, एम.आई.एस. प्रबंधक राजीव कुमार सिंह, संस्थान के प्रधानाचार्य योगेंद्र मिश्रा, प्रशिक्षक अनिल कश्यप, प्रशांत मिश्रा, शशि नंदन तिवारी, अंकित पांडे, ओमप्रकाश साहनी, कमलेश द्विवेदी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।प्रधानाचार्य योगेंद्र मिश्रा, एम.आई.एस. प्रबंधक राजीव सिंह, कौशल विकास मिशन के जिला समन्वयक विवेक कुमार तिवारी एवं अन्य अधिकारियों द्वारा बच्चों को शुभकामनाओं सहित उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए रवाना किया गया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं के समग्र विकास एवं आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रयासरत है। ज्ञात हो कि कौशल विकास संस्थान, रायबरेली में युवाओं को प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नीशियन, इंडस्ट्रियल वेल्डर, इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रिशियन, पाइप फिटर एवं डोमेस्टिक आईटी हेल्प डेस्क अटेंडेंट जैसे ट्रेड्स में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन ट्रेड्स में दक्ष बनकर प्रशिक्षार्थी देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं और अपने परिवार तथा देश के आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। एसडीआई रायबरेली इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल युवाओं को रोजगार योग्य बना रहा है, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत कर रहा है। संस्थान भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ युवाओं को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान के लिए सतत प्रयासरत रहेगा।

लखनऊ में 15 लोगों ने इस्लाम छोड़कर फिर से अपनाया हिंदू धर्म, हवन-पूजन के बाद पहना भगवा

लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने

'घर वापसी' कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 15 लोगों ने इस्लाम धर्म त्यागकर हिंदू धर्म स्वीकार किया। वैदिक रीति-रिवाजों से हवन-पूजन किया गया। धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों को भगवा वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्लाम अपनाया था।राजधानी लखनऊ के गोमती नगर इलाके में गुरुवार को 'घर वापसी' कार्यक्रम के तहत 15 लोगों ने इस्लाम धर्म छोड़कर पुनः हिंदू धर्म अपना लिया। यह आयोजन विश्व हिंदू रक्षा परिषद की अगुवाई में गोमती नगर स्थित शिव भोला मंदिर परिसर में संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान वैदिक रीति-रिवाजों से हवन-पूजन कराया गया, जिसके बाद धर्म वापस लेने वाले लोगों को त्रिपुंड लगाया गया और भगवा वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। धर्म परिवर्तन कर चुके इन लोगों ने मंच से सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने पूर्व में कुछ व्यक्तिगत कारणों या लालचवश इस्लाम धर्म को अपनाया था। हालांकि अब वे स्वयं की आत्मिक इच्छा और समाजिक चेतना के तहत दोबारा अपने मूल धर्म यानी सनातन हिंदू धर्म में लौट रहे हैं।

04 से 15 जुलाई तक अनुसूचित जनजाति छात्रावास (बालिका) मे प्रवेश हेतु ऑनलाइन करें आवेदन : सृष्टि अवस्थी

रायबरेली। जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी

ने बताया है कि जनपद में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास (बालिका), रायबरेली में शिक्षण सत्र 2025-26 में छात्राओं के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। छात्राओं द्वारा स्वयं पोर्टल प्र्फे:// ल्जै्प्से.ग्ह पर आावेदना ऑनलाइन किया जा सकेगा। पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन 04 जुलाई 2025 से 15 जुलाई 2025 तक किए जा सकेगें। अन्तिम तिथि के पश्चात कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान अन्तर्गत जनपद की ग्राम पंचायतों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा : डीपीआरओ

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशानुसार संचारी रोग नियंत्रण अभियान अन्तर्गत जनपद के समस्त 980 ग्राम पंचायतों में 01 जुलाई, 2025 से 31 जुलाई, 2025 तक वृहद स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें रोस्टर लगाकर सफाई कर्मचारियों के माध्यम से झाड़ी कटाई, नाली सफाई, एन्टीलार्वा एवं दवा का छिड़काव फॉगिंग आदि का कार्य कराया जा रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने बताया है कि 02 दिवस में जनपद के 310 ग्राम पंचायतों में 1591 सफाई कर्मचारियों द्वारा साफ-सफाई का कार्य किया गया, साथ ही साफ-सफाई के दौरान ग्राम पंचायत से निकलने वाले कूड़े को ई-रिक्शा के माध्यम से एकत्रित

कर निस्तारित कराये जाने के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा बताया गया है कि साफ-सफाई हेतु रोस्टर के अनुसार लगाये गये कर्मचारियों के कार्यों का मेरे द्वारा रैण्डम आधार पर भी निरीक्षण किया जाएगा तथा क्रास वेरीफिकेशन हेतु अन्य विकास खण्डों के सहायक विकास अधिकारी (पं0) को नामित किया गया है, जिनके द्वारा प्रतिदिन स्थलीय निरीक्षण करते हुए कराये गये कार्यों एवं नामित कर्मचारियों की उपस्थिति का अनुश्रवण किया जा रहा है। जिसमें किसी भी कर्मचारी के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिसके परिणाम स्वरूप कर्मचारियों द्वारा उपस्थित रहकर टीम भावना के साथ ग्राम पंचायत में झाड़ी कटाई, नाली सफाई, एन्टीलार्वा एवं दवा का छिड़काव फॉगिंग आदि का कार्य किया जा रहा है।

यूपी में फिर चली तबादला एक्सप्रेस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में तबादलों का सिलसिला जारी है। आईएएस से लेकर आईपीएस अधिकारियों को नई-नई जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। इसी क्रम में एक बार फिर आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। गुरुवार को तीन सीनियर आईपीएस अधिकारियों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईपीएस मुथा अशोक जैन को गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। गोरखपुर सीएम योगी आदित्यनाथ का क्षेत्र है। ऐसे में आईपीएस मुथा अशोक जैन की नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था सम्बन्धी जॉच समिति के मा0 सभापति ने अधिकारियों के साथ की बैठक

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था सम्बन्धी जॉच समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में मा0 सभापति दिनेश कुमार गोयल जी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में की गयी, बैठक के दौरान मा0 श्री विजय बहादुर पाठक विधान परिषद सदस्य, मा0 विधान परिषद सदस्य जितेन्द्र सिंह सेंगर, मा0 विधान परिषद सदस्य रतन पाल सिंह, मा0 विधायक सदर भूपेश चैबे, जिलाधिकारी शौ बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नन्दलाल गुप्ता एवं समिति के सम्मानित सदस्यगण एवं विद्युत विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहें। बैठक के दौरान मा0 सभापति व समिति के सदस्यगण ने ट्रांसफार्मर की मरम्मत, जनपद में औसत विद्युत आपूर्ति का विवरण, विद्युत उपभोक्ता लोड के अनुरूप ट्रांसफार्मर की स्थिति व उसके रख-रखाव की व्यवस्था, 1912 पर विद्युत से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व मीटर रीडिंग से से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण व कार्यवाही के सम्बन्ध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की, बैठक के दौरान मा0 सभापति महोदय ने कहा कि विद्युत समस्या से सम्बन्धित उपभोक्ता द्वारा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय सुनिश्चित किया जाये, 1912 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण हेतु प्राथमिकता के आधार पर किया जाये, कृषक बन्धुओं की आजीविका व कृषि खेती सुचारू ढंग से हो, इसके लिए विद्युत आपूर्ति निर्धारित समयावधि में की जाये, मा0 जनप्रतिनिधि द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, ट्रांसफार्मरों के मरम्मत का कार्य भी निर्धारित समय के अनुसार सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बैठक में जॉच समिति द्वारा जो भी दिशा-निर्देश दिये गये हैं, उसका अनुपालन अधिकारीगण निर्धारित समय अवधि में सुनिश्चित करेंगें। ओबरा में पावर प्लांट ई660, व ई200 का भी निरीक्षण समिति द्वारा 01 जुलाई,2025 को निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान कन्ट्रोल रूम के ड्यूटी में लगे कर्मचारियों से भी समिति द्वारा सीधा संवाद किया गया और सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया कि कन्ट्रोल रूम में वाटर कूलर व 8-8 घण्टे के शिफ्ट पर जलपान की व्यवस्था ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के लिए की जायें।

शहतूत वृक्षारोपण के साथ सहफसली खेती से किसानों की आय में हुई बढ़ोत्तरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
सोनभद्र। प्रदेश में अधिकतर रेशम उत्पादक किसान सीमांत और लघु कृषक होते हैं। खाद्यान्न की आवश्यकता के दृष्टिगत किसानों ने खेतीबाड़ी की पुरानी परम्पराओं को अभी तक अपनाया हुआ हैं। रेशम उत्पादन की पद्धतियों को भी देखा जाय तो यही बात सामने आती है की अधिकतर किसान पुराने तरीकों को छोड़ने के लिए राजी नहीं होते है। इस लिए जरूरी है उनकी भूमि के एक भूखंड से ही कृषि कार्यों में विविधता लाकर आमदनी बढ़ाई जाय। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश सरकार ने शहतूत वृक्षारोपण का एक सहफसली प्रारूप केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान पांपोर, केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा तकनीकी स्थानांतरण हेतु स्वीकृत किया है। किसान अपनी कृषि युक्त भूमि पर इस प्रकार से शहतूत वृक्षारोपण करते हैं कि परंपरागत कृषण कार्य भी चलता रहे और रेशम कीट पालन हेतु उसी खेत से उच्च गुणवत्ता युक्त शहतूत की पत्तियाँ भी प्राप्त हो रही हैं। केवल पहले वर्ष में नियमित पैदावार लगभग 20 प्रतिशत प्रभावित होगी, दूसरे वर्ष से इसी खेत से अतिरिक्त आय आनी शुरु हो जाती है। यदि कोई किसान अपने खेत में 300 शहतूत के पेड़ नयी पद्धति से लगा ले और केवल दो फसलों की पत्ती बेचने का काम करे तो भी वह दूसरे वर्ष में लगभग 05 हजार रूपये से 08 हजार रूपये एवं अगले 4-5 वर्षों से इसी खेत से वह लगभग 18 हजार रूपये से 25 हजार रूपये वार्षिक की अतिरिक्त आय कर केवल पत्ती बेच कर प्राप्त कर सकते है। किसान इसी शहतूत उद्यान से साल में दो फसल भी बाइवोल्टाईन रेशम कीटपालन कार्य करता है तो उचित उत्पादन के साथ वह दूसरे साल से 10 हजार रूपये का कोया उत्पादन कर सकता है और चैथी पाँचवी साल में वह 30-35 हजार मूल्य का रेशम कोया, 300 शहतूत पेड़ो की उचित रखरखाव और सफल कीटपालन से उत्पादित कर सकता है। अगर कोई किसान अपने खेत में गेहूं और मक्के की खेती कर रहा है और इसी खेत में शहतूत के पेड़ भी लगा देते हैं तो अगले 4-5 वर्षों में इसी खेत से किसान विशाल रेशम कीटपालन के साथ कुल आय दुगुनी कर सकता है। उचित लाभ प्राप्ति हेतु कम से कम 100 पेड भी स्थापित किए जा सकते है, पर 300 पेड़ का उद्यान स्थापित हो तो आर्थिक लाभ हेतु उत्तम रहता है। जितने अधिक पेड होंगे उसी अनुपात में पत्ती एवं तदनुसार रेशम कोया का उत्पादन अधिक होगा। यदि किसी किसान के पास जमीन कम है पर वह अधिक पेड लगाना चाहता है तथा रेशम कीटपालन से अधिक आय प्राप्त करना चाहता है, तो वह मेड़ के बाद खेत के बीच में सीधी कतार में पेड़ लगा सकता है, खेत की चैड़ाई के अनुसार कतार की संख्या निर्धारित होगी, क्योंकि दो कतारों के बीच में कम से कम 18 फीट की दूरी होनी चाहिए। इस प्रकार से एक खेत में परम्परागत खेती को प्रभावित किए बगैर किसान अपने लिए अतिरिक्त आय का एक सशक्त माध्यम कम से कम अगले 20-25 साल तक आसानी से कर सकता है। इस पद्धति से एक एकड़ जमीन में 300 शहतूत पेड़ लग सकते है। भूमि की उपलब्धता के आधार पर 100 पेड़ से 300 पेड़ तक का शहतूत उद्यान आसानी से स्थापित किया जा सकता है। प्रदेश के हजारो किसान सहफसली खेती कर खाद्यान्न के साथ-साथ रेशम के कोया उत्पादन कर अपनी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

36 करोड़ की नाली निर्माण पर विवादःव्यापार संगठन ने दी मंत्री से मिलने की दी चेतावनी, कहा- स्थानीय लोगों से सलाह नहीं ली

सोनभद्र। सीएनडीएस द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण को लेकर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन ने ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा से मिलेंगे। संगठन के जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा ने कई गंभीर मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण कंपनी नाली की गंदगी सड़क पर फेंक रही है। इससे मच्छर और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। नाली निर्माण से पहले स्थानीय लोगों से कोई सलाह नहीं ली गई।निर्माण में कई तकनीकी खामियां सामने आई हैं। सड़क से ऊपर नाली बनाई जा रही है। इससे सड़कों पर जलभराव की समस्या बनेगी। जिन घरों का स्तर नाली से नीचे है, उनके पानी की निकासी का कोई समाधान नहीं है। जिला महामंत्री प्रितपाल सिंह, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजू जायसवाल और यशपाल सिंह ने सरकारी अधिकारियों पर कार्य में लापरवाही का आरोप लगाया है। नगर अध्यक्ष प्रशांत जैन और अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि 36 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से 13.7 किलोमीटर नाली का निर्माण हो रहा है। उनका कहना है कि यह निर्माण भविष्य में नगर के लिए बेकार साबित होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नाली में बहने वाला पानी आखिरकार जाएगा। इस तरह के कई सवालों पर पर अधिकारी मुंह खोलने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि आनन-फानन में 2020 के इस प्रोजेक्ट को बरसात में बनाया जाना भी संदेह के घेरे में है।जिला उपाध्यक्ष विनोद जायसवाल, नागेंद्र मोदन वाल एवं अमित वर्मा ने कहा कि नगर में जो निर्माणाधीन नाली है उसका अभी किसी सक्षम अधिकारी द्वारा न ही निरीक्षण किया गया न ही गुणवत्ता की परख की गई उन्होंने आगे कहा कि इन दिनों नगर में जगह-जगह कीचड़ हो जाने से एवं बारिश हो जाने के कारण जल भराव से व्यापारियों को परेशानी हो रही है। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से कौशल शर्मा, प्रशांत जैन, प्रितपाल सिंह, राजू जायसवाल, यशपाल सिंह, नागेंद्र मोदन वाल, धर्मेंद्र प्रजापति विनोद जायसवाल, अभिषेक गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, प्रतीक केसरी, शिवम केशरी, अमित वर्मा आदि लोगों उपस्थित रहे।

इटावा में कथावाचकों पर हमले का विरोध,भाकपा ने राष्ट्रपति समेत कलेक्ट्रेट भेजा ज्ञापन

सोनभद्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में जातीय हिंसा और बुलडोजर नीति का विरोध किया। उन्होंने राष्ट्रपति के नाम एक पत्रक एडीएम (न्यायीक) को सौंपा। भाकपा जिला सचिव कामरेड आर के शर्मा ने इटावा के थाना बकेवर के दादरपुर गांव की घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दो कथावाचक मुकुट मणि यादव और संत राम यादव के साथ सवर्ण समाज के लोगों ने अशोभनीय व्यवहार किया। पार्टी ने गोंडा, शाहजहांपुर और मेरठ में दलित बच्चों को पेशाब पिलाने की घटनाओं की भी निंदा की। भाकपा ने मांग की है कि इन सभी मामलों की उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से जांच कराई जाए। साथ ही दोषियों और साजिशकर्ताओं को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए।कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था और बुलडोजर कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को रोका जाए। इस अवसर पर कामरेड जगरनाथ बैगा, कामरेड रामजीत, कामरेड विजेन्द्र, राजनारायण, महेंद्र, बबलू बैगा , अरविन्द कुमार, लीलाधर विश्वकर्मा, विरेन्द्र कुमार गोंड , बाबू लाल चेरो, कामरेड हृदय नारायण गुप्ता, कामरेड अमरनाथ सूर्य, कामरेड प्रेम चंद्र गुप्ता , कामरेड अजय मौर्या व कामरेड नागेन्द्र कुमार आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शक्तिनगर में युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म,पीड़िता की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र। सिंगरौली क्षेत्र की एक युवती की शिकायत पर शक्तिनगर पुलिस ने कार्रवाई की है। युवती ने 17 जून को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी रवि कुशवाहा (27) ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे।शक्तिनगर थाना प्रभारी कुमुद शेखर सिंह के अनुसार, आरोपी खड़िया बाजार का रहने वाला है। पुलिस ने मामले में धारा 69, 352, 351(3), बीएनएस के साथ एससी/एसटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को बस स्टैंड शक्तिनगर के पास एनटीपीसी बाउंड्री वॉल के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

महिला ने सूझबूझ से पकड़ा चोर,रात भर बाथरूम के बाहर दिया पहरा,पूछताछ में 10 सदस्यीय गिरोह का खुलासा

सोनभद्र। रावर्ट्सगंज में एक महिला की सूझबूझ से चोरी की वारदात टल गई। ग्रामसभा लोहरा में रात करीब दो बजे अजय गुप्ता के घर में एक चोर पीछे की दीवार फांदकर घुस आया। घर में केवल एक महिला और उसकी तीन बेटियां थीं।महिला जब रात में टॉयलेट जा रही थी, तब उसे आहट सुनाई दी। जांच करने पर उसने बाथरूम में एक संदिग्ध व्यक्ति को छिपा हुआ पाया। महिला ने तुरंत बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। वह पूरी रात जागकर बाथरूम की निगरानी करती रही। सुबह होते ही महिला ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चोर को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में चोर ने बताया कि वह 10 सदस्यीय एक गिरोह का हिस्सा है। यह गिरोह क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से चोरी करता है। आरोपी ने खुद को नक्सली बताया और कहा कि उसके अन्य 9 साथी फरार हैं। दो महीने पहले भी इसी घर में चोरी हुई थी। तब घर का ताला टूटा था और एक हथियार बरामद हुआ था। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में पुलिस गश्त नहीं होती। क्षेत्रवासियों ने पुलिस अधीक्षक से नियमित रात्रि गश्त की व्यवस्था और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सोनभद्र में बिजली का तार चेक करने निकले युवक की मौत,पुलिस जांच में जुटी

सोनभद्र। सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। अनपरा थाना क्षेत्र के सोनवानी गांव में एक अज्ञात वाहन ने 27 वर्षीय युवक को कुचल दिया। मृतक की पहचान अमय लाल गोंड के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। जानकारी के अनुसार अनपरा थाना क्षेत्र के सोनवानी गांव का रहने वाले अमय लाल देर रात में अपने घर का टूटा हुआ बिजली का तार चेक करने निकला था। वह पूरी रात घर नहीं लौटा। सुबह परिजनों ने जब खोजबीन की तो घर से मात्र 200 मीटर की दूरी पर उसका शव मिला। जिससे परिवार में कोहराम मच गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और जांच में जुट गईग्रामीणों के अनुसार, एक ट्रेलर चालक, जो अपने मामा संतोष गोड़ से मिलने सोनवानी आया था, दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की है। अनपरा थाना प्रभारी ने शिव प्रताप वर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेजा गया है। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश कर रही है।

ओबरा सी दूसान कंपनी में मजदूरों का विरोध,500 संविदा कर्मियों का 3 महीने से रुका वेतन

सोनभद्र। सोनभद्र के ओबरा स्थित निर्माणाधीन ओबरा सी दूसान कंपनी में वेतन न मिलने से मजदूर आंदोलित हैं। कंपनी में कार्यरत लगभग 500 संविदा मजदूरों को पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है। मजदूरों ने पहले गांधी मैदान में एकत्र होकर अधिकारियों से वार्ता की कोशिश की।वार्ता विफल होने पर वे ओबरा थाने पहुंचे। थाने से उन्हें एसडीएम कार्यालय भेज दिया गया। मजदूर पैदल ही तहसील पहुंचे, लेकिन एसडीएम से मुलाकात नहीं हो सकी। एसके इलेक्ट्रिकल सहित अन्य पेटी कॉन्ट्रेक्टर कंपनियों के ठेकेदार भुगतान की कोई निश्चित तिथि नहीं बता रहे हैं।

शॉर्ट सर्किट से जनरल स्टोर में लगी आग,लाखों का सामान ख़ाक

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सभा अरौली में एक जनरल स्टोर में शॉर्ट सर्किट से तड़के 3 बजे आग लग गई। जिससे जनरल स्टोर में आग लगने से लाखों रुपए का सामान जलकर खाक़ हो गया ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार अरौली में पंचायत भवन के पास मथुरा प्रसाद जायसवाल पुत्र स्व. उग्रह नारायण जयसवाल अपने रहने वाले घर से कुछ दूर बने दूसरे मकान में परिवार के भरण पोषण के लिए जनरल स्टोर की दुकान खोल रखे हैं।मथुरा प्रसाद रात को दुकान बंद कर अपने दूसरे मकान पर सोने चले गए थे। सुबह जब पड़ोसी नित्य क्रिया के लिए उठा, तो उसने दुकान से धुआं निकलते देखा। उसने तुरंत शोर मचाया और दुकान मालिक को सूचित किया।सूचना मिलते ही मथुरा प्रसाद मौके पर पहुंचे और दुकान का ताला खोला। तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया था। दुकान में रखा फ्रिज समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। पीड़ित मथुरा प्रसाद ने बताया कि यह दुकान उनकी आजीविका का एकमात्र साधन थी। उन्होंने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है, ताकि वह अपना रोजगार फिर से शुरू कर सकें।

सोनभद्र में गांजा तस्कर गिरफ्तार,11.3 किलो गांजा बरामद,दो फरार,तीनों मिलकर करते थे तस्करी

सोनभद्र। अनपरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को पुलिस ने गांजे की बड़ी खेप पकड़ी। मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुबरी पहाड़ी की ओर से एक सफेद बोलेरो (यूपी 64 एएन 4546) में तीन लोग नाजायज गांजा लेकर सप्लाई के लिए दुरासिनी माता मंदिर की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने रेलवे ओवरब्रिज औडी गांव के पास घेराबंदी कर दी। जैसे ही बोलेरो मौके पर पहुंची, पुलिस को देख ड्राइवर और बगल में बैठा एक व्यक्ति झाड़ियों और पहाड़ियों का फायदा उठाकर फरार हो गए। तीसरे आरोपी को पुलिस ने मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुरेंद्र कुमार, निवासी नदहरी, थाना ओबरा, जिला सोनभद्र के रूप में हुई है।बोलेरो की तलाशी लेने पर उसमें से एक बोरी में 11.3 किलो गांजा बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 3 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने बरामद माल और आरोपी को कब्जे में लेकर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20, 27ए, 29, 60 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि इस तस्करी में उसके दो अन्य साथी शामिल थे- विजय कुमार उर्फ ललई, निवासी ग्राम सिधार, थाना मोरवा, जिला सोनभद्र राजकुमार जायसवाल, निवासी कतरहिया, थाना मोरवा, जिला सिंगरौली, मध्य प्रदेशतीनों लोग गांजा बेचकर पैसा आपस में बांटते थे। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पूरी कार्रवाई क्षेत्राधिकारी पिपरी अमित कुमार की निगरानी में की गई। अनपरा थाना पुलिस टीम ने संयम और सतर्कता से घेराबंदी कर एक तस्कर को पकड़ने में सफलता पाई। पुलिस अब बोलेरो वाहन और बरामद गांजा को जब्त कर आगे की जांच कर रही है।

2 महीने से खराब ट्रांसफॉर्मर 25 घर अंधेरे में,परेशान ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनभद्र। सोनभद्र के विकास खंड चोपन के ग्राम पंचायत जुगैल के टोला जोरबा में बिजली विभाग की लापरवाही से लोग परेशान हैं। करीब दो महीने से खराब पड़े ट्रांसफॉर्मर की वजह से 25 घरों में अंधेरा छाया हुआ है। समाजसेवी नवाज शरीफ ने बताया कि बारिश के मौसम में दिन-रात जहरीले जानवरों का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से ट्रांसफॉर्मर बदलने की मांग की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।सरकार ग्रामीण विकास योजनाओं के बड़े दावे करती है। मगर अधिकारियों की लापरवाही से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नवाज शरीफ ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे। इस मुद्दे पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान जय किसुन, शिवनाथ खरवार, देवमणि सोनी, शांति देवी, कैलाश खरवार, शिवमूर्ति, राजकुमारी, धनराजी

बर्मिंघम टेस्ट में काली पट्टी बांधकर उतरे प्लेयर्स,गेंद छोड़ने में बोल्ड हुए रेड्डी, यशस्वी ने लगातार 3 चौके लगाकर फिफ्टी पूरी की

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट खेला जा रहा है। बुधवार को मुकाबले के पहले दिन भारत ने 5 विकेट खोकर 310 रन बना लिए। सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। नीतीश कुमार रेड्डी गेंद छोड़ने के चलते बोल्ड हो गए। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की।भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमों के प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के पूर्व प्लेयर वैन लार्किंस को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधी। लार्किंस का 71 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 1979 से 1991 के बीच 13 टेस्ट और 25 वनडे खेले।टीम इंडिया के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने पहले टेस्ट में सेंचुरी लगाने के बाद दूसरे टेस्ट की पहली पारी में फिफ्टी लगाई। उन्होंने जोश टंग के ओवर में लगातार 3 चौके लगाकर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की। वे 87 रन बनाकर आउट हुए, उन्हें इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स ने कॉट बिहाइंड कराया।टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने 57वें ओवर में शोएब बशीर के खिलाफ चौका लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने मिड ऑन की दिशा में चौका लगाया और अपनी हाफ सेंचुरी पूरी कर ली। गिल ने फिर जो रूट के खिलाफ लगातार 2 चौके लगाकर अपनी 7वीं सेंचुरी भी पूरी की।नंबर-6 पर बैटिंग करने उतरे नीतीश कुमार रेड्डी गेंद छोड़ने की कोशिश में बोल्ड हो गए। 62वें ओवर की चौथी बॉल क्रिस वोक्स ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। नीतीश ने गेंद लेफ्ट कर दी, लेकिन बॉल स्विंग होकर स्टंप्स से जा लगी। वापसी मैच खेल रहे रेड्डी 1 ही रन बना सके।इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स के बार-बार कहने के बाद फील्ड अंपायर्स ने गेज टेस्ट के बाद बॉल चेंज कर दी। यह टेस्ट बॉल का आकार जांचने के लिए किया जाता है। गेज टेस्ट में अंपायर्स बॉल को एक छल्ले से निकालते हैं, अगर गेंद इसके बीच फंस जाती है तो उसे बदला जाता है। वहीं अगर गेंद छल्ले के बीच से निकल जाती है तो गेंद नहीं बदली जाती। गिल ने की विराट और गावस्कर की बराबरी शुभमन गिल ने सीरीज में लगातार दूसरा शतक जमाया। गिल बतौर कप्तान शुरुआती दो टेस्ट में शतक जमाने वाले चौथे भारतीय बने हैं। उनसे पहले विजय हजारे, सुनील गावस्कर और विराट कोहली ने ऐसा किया है।

गौतम गंभीर फिर सवालों के घेरे में, चुनी ऐसी प्लेइंग 11 कि गावस्कर, शास्त्री और गांगुली भी चिड़ गए

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी बातें हो रही हैं। टीम में तीन नए चेहरे नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को शामिल किया गया है। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और फॉर्म में चल रहे स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में जगह नहीं मिली है। इस वजह से सौरव गांगुली, सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने टीम के चयन पर सवाल उठाए हैं।पिछले 9 टेस्ट मैचों में भारत सिर्फ एक ही मैच जीत पाया है। यह टीम का पिछले दस सालों में सबसे खराब प्रदर्शन है। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने भारत को पांच विकेट से हराया था। टीम इंडिया के चयन पर कई दिग्गजों ने अपनी राय रखी है। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने स्पिन गेंदबाजों के चयन पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भारत अपने दो सबसे अच्छे स्पिनरों को खिला रहा है या नहीं।गांगुली ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि भारत अपने दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों के साथ खेल रहा है या नहीं। इंग्लैंड ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है - यह आश्चर्य की बात है। लेकिन यह भारत के लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है।

मानसून में कार-बाइक चलाते हुए सावधानःबारिश में बढ़ता एक्सीडेंट का रिस्क, ये 6 गलतियां न करें, 11 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। बारिश का मौसम तपती गर्मी से राहत देता है। लेकिन यह सड़क पर सफर को काफी चुनौतीपूर्ण बना देता है। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी और कीचड़ जमा हो जाता है, जो कई बार वाहन चालकों के लिए खतरा बन जाते हैं। ऐसे में मानसून के दिनों में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। हम बात करेंगे कि बारिश के दौरान वाहन चलाना क्यों रिस्की हो जाता है। सड़कों पर जमी धूल-मिट्टी बारिश के बाद एक फिसलन भरी परत में बदल जाती है। ऐसे में वाहन के फिसलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही भीगी सड़कों पर ब्रेक लगाने के लिए सामान्य से अधिक दूरी की जरूरत होती है। इस दौरान अचानक ब्रेक लगाना खतरनाक साबित हो सकता है। तेज बारिश के दौरान विजिबिलिटी बेहद कम हो जाती है। वहीं सड़कों पर जलभराव के कारण गड्ढे नजर नहीं आते। इससे वाहन का बैलेंस बिगड़ सकता है या फिर पानी में फंस सकता है।अपनी और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए मानसून के दौरान वाहन चलाने से पहले उसके कुछ पार्ट्स की जांच जरूर कराएं। जैसेकि- बारिश में फिसलन भरी सड़कों पर सुरक्षित ड्राइविंग के लिए टायर की पकड़ यानी ग्रिप अच्छी होनी चाहिए। इसके लिए टायर का ट्रेड कम-से-कम 3एमएम होना चाहिए। घिसे हुए टायर फिसलन का खतरा बढ़ा देते हैं। साथ ही हर बार वाहन चलाने से पहले टायर प्रेशर भी जरूर चेक कराएं।फिसलन भरी सड़कों पर वाहन की ब्रेकिंग क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर वाहन का ब्रेक सिस्टम पहले से ही खराब है तो हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए मानसून से पहले ब्रेक पैड, डिस्क और ब्रेक ऑयल की स्थिति की अच्छी तरह जांच करवाएं।भारी बारिश में विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसे बनाए रखने के लिए अच्छे और तेज वाइपर होने चाहिए। घिसे या पुराने वाइपर तुरंत बदल दें।एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए कम विजिबिलिटी में भी दूसरों को दिखना और दूसरों को देखना दोनों जरूरी है। इसके लिए बारिश से पहले हेडलाइट, टेललाइट और इंडिकेटर जरूर चेक कराएं।कार की विंडशील्ड पर धुंध जमने से विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसलिए मानसून से पहले डिफॉगर और एयर कंडीशनिंग सिस्टम को पूरी तरह से फिट रखें।बारिश में वाहन चलाने के दौरान छोटी सी भी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में चाहे आप कार चला रहे हों या बाइक, इस मौसम में सतर्क रहना जरूरी है।भीगी सड़कों पर तेज रफ्तार से वाहन चलाना बेहद खतरनाक हो सकता है। बारिश में टायरों की पकड़ कम हो जाती है, जिससे अचानक ब्रेक लगाने पर वाहन फिसल सकता है या कंट्रोल खो सकता है। इसलिए बारिश में हमेशा अपनी स्पीड कम रखें और सामने वाले वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।अचानक ब्रेक लगाने या तेजी से स्टीयरिंग घुमाने से वाहन स्किड कर सकता है, खासकर जब सड़क पर पानी जमा हो। इसलिए हल्के और धीरे-धीरे ब्रेक लगाएं और मोड़ों पर सावधानी से स्पीड कम करें।बारिश में वाहन चलाते समय जब पता न हो कि पानी कितना गहरा है तो जलभराव वाले रास्तों से गुजरने की कोशिश न करें। गहरे पानी में वाहन बंद हो सकता है, इंजन में पानी जा सकता है या आप कंट्रोल खो सकते हैं। इसके लिए अगर संभव हो तो वैकल्पिक रास्ता चुनें।कम विजिबिलिटी में खासकर भारी बारिश या कोहरे में, हेडलाइट्स का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। सिर्फ यह आपको रास्ता देखने में मदद नहीं करता, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि अन्य ड्राइवर आपको देख सकें। फॉग लाइट्स हों तो उनका भी इस्तेमाल जरूर करें।बारिश में ओवरटेक करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है। भीगी सड़क और कम विजिबिलिटी में सही निर्णय लेना मुश्किल हो सकता है। इसलिए ओवरटेक करने की जल्दबाजी न करें और अन्य वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमेशा खतरनाक होता है। लेकिन मानसून में यह और भी ज्यादा जोखिम भरा हो जाता है। इसलिए ड्राइविंग के दौरान फोन का इस्तेमाल करने से बचें और अपना पूरा ध्यान सड़क पर रखें। हमेशा याद रखें, सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।बारिश में पैदल सड़क पर निकलते समय कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतनी चाहिए। जैसेकि- बारिश से बचने के लिए छाता या रेनकोट का इस्तेमाल करें। बाहर निकलते समय चमकदार या गहरे रंग के रंग के कपड़े पहनें। ऐसे जूते पहनें, जो फिसलन और पानी से बचा सकें। काले रंग के छाते की बजाय चमकदार रंग का छाता चुनें, जो दूर से ही नजर आए। अगर फुटपाथ पर पानी जमा है तो धीरे चलें और हर कदम सावधानीपूर्वक रखें। अगर सड़क पर पानी जमा है और आपको गहराई का अंदाजा नहीं है तो उस रास्ते से बचें। पानी भरे रास्तों पर चलते समय वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। हमेशा बिजली के खंभों और तारों से दूरी बनाए रखें। जब सड़क पार कर रहे हों तो अतिरिक्त सावधानी बरतें। चलते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप के लिए भारत आएगाःखेल मंत्रालय बोला- हम किसी को नहीं रोकेंगे; पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की एंट्री बैन थी

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति के बावजूद हॉकी एशिया कप और जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम को भारत आने से नहीं रोका जाएगा। खेल मंत्रालय के सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा कि हम द्विपक्षीय सीरीज के खिलाफ हैं, लेकिन टूर्नामेंट के लिए हम किसी भी टीम को भारत आने से नहीं रोकेंगे। मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, 'इंटरनेशनल स्पोर्ट्स में टीमें तनाव के बावजूद हिस्सा लेती हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के बावजूद टूर्नामेंट खेल रहे हैं। हॉकी एशिया कप 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में खेला जाएगा।' भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच एशिया कप मैच पर अधिकारी ने कहा, 'बीसीसीआई ने अब तक इस बारे में सरकार से बात नहीं की है। जैसे ही बोर्ड की ओर से बातचीत होगी, टीम इंडिया के एशिया कप में हिस्सा लेने पर फैसला लेंगे।' पाकिस्तान हॉकी बोर्ड ने अभी तक टूर्नामेंट में आने या न आने पर कोई भी बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उसने टूर्नामेंट से खुद को अलग भी नहीं किया है, जिससे माना जा रहा है कि टीम खेलने के लिए भारत आएगी। हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोलानाथ सिंह ने कहा था, पाकिस्तान टीम एशिया कप के लिए आएगी या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। पहलगाम में आतंकी हमला और भारत का ऑपरेशन सिंदूर पिछले महीने ही हुआ। ऐसे में इस वक्त कुछ भी कह पाना मुश्किल है। हम शांति कायम होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार के जो भी निर्देश होंगे, हम उनका पालन करेंगे। हॉकी इंडिया के एक अन्य अधिकारी ने कहा था, 'अगर सरकार ने पाकिस्तान को एंट्री देने से मना किया तो उनके बिना टूर्नामेंट कराया जाएगा। सबकुछ सरकार के फैसले पर निर्भर है।' 2016 में भारत नहीं आई थी पाकिस्तान टीम 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत में जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप हुआ था। तब भी पाकिस्तान हॉकी टीम भारत नहीं आई थी। तब पाकिस्तान की जगह मलेशिया को एंट्री देकर टूर्नामेंट कराया गया था। दोनों देशों में तनाव के बाद पाकिस्तान का जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आना मुश्किल लग रहा था। टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। हालांकि मंत्रालय से आपत्ति नहीं होने के बाद अब जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी पाकिस्तान टीम भारत आ सकती है। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में अगले साल 14 से 30 अगस्त तक हॉकी वर्ल्ड कप होगा। एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री मिलती है। एशिया कप में 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया डिफेंडिंग चैंपियन है। वहीं भारत और पाकिस्तान को अपने-अपने चौथे टाइटल का इंतजार है। हॉकी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के अलावा जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भी हिस्सा लेंगी। 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के बीच सेमीफाइनल और इसे जीतने वाली टीमों के बीच 7 सितंबर को फाइनल होगा। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 3 आतंकियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारत ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश से निकाल दिया। भारत ने 7 मई की देर रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया और पहलगाम हमले का बदला लिया। जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल से भारत पर हमला कर दिया। भारत ने जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों देशों में बॉर्डर पर तनाव चला और 10 मई को सीजफायर हो गया। दोनों ही देश अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स को देश में बैन कर दिया गया। इन अकाउंट्स से बैन अब हट चुका है, ऐसे में भारत-पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट में मैच भी संभव है। हॉकी एशिया कप के साथ क्रिकेट एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच हो सकता है। हॉकी एशिया कप में मंत्रालय सूत्रों के नजरिये को देखते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच सितंबर में एशिया कप मैच भी हो सकता है। टूर्नामेंट यूएआई में खेला जाना है। हालांकि दोनों टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट मैच नहीं खेलती है। भारत ने इसी साल फरवरी में पाकिस्तान की मेजबानी में हुई आईसीसी की चैंपियंस ट्रॉफी दुबई में खेलकर जीती थी। पाकिस्तान टीम भी 2026 के टी-20 वर्ल्ड कप मॉडल पर खेला जाएगा। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। इस टूर्नामेंट में भारत-पाक की विमेंस टीम लीग में आमने-सामने होंगी। यह मैच भी श्रीलंका में खेला जाएगा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान टीम अगर नॉकआउट स्टेज में पहुंची तो यह मुकाबले भी श्रीलंका में ही खेले जाएंगे। 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बंद हैं। अब दोनों टीमें केवल आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना करती हैं। ऐसे में जब भी भारत-पाकिस्तान मैच होता है तो दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें इस मुकाबले पर टिकी होती हैं। ऐसे में आयोजक और ब्रॉडकास्टर भारत-पाकिस्तान मैच से ज्यादा से ज्यादा कमाई करते हैं।2008 में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी टीम इंडियाः टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे। 2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेलने भारत आया था पाकिस्तानः पाकिस्तान ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी।

बेंगलुरु भगदड़-बीसीसीआई लोकपाल ने जवाब मांगाःआरसीबी और कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन को 4 हफ्ते समय दिया; 4 जून को 11 मौतें हो गई थीं

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड लोकपाल न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा (रिटायर्ड) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से पिछले महीने बेंगलुरु में विक्ट्री सेरेमनी के दौरान हुई भगदड़ के लिए लिखित जवाब मांगा है। लोकपाल ने आरसीबी और केएससीए को जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। बीसीसीआई लोकपाल को विकास नाम के व्यक्ति ने शिकायत दी थी। उन्होंने आरसीबी और केएससीए पर आरोप लगाया है कि 4 जून को आरसीबी के विक्ट्री सेरेमनी के दौरान सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन किया गया और सेरेमनी के आयोजन में लापरवाही बरती गई। शिकायतकर्ता ने लोकपाल से यह भी आग्रह किया है कि जब तक घटना की जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक मौजूदा मालिकों को फ्रेंचाइजी बेचने से रोक दिया जाए। भगदड़ में 11 लोगों की चली गई थी जान चार जून को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के खिलाड़ियों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी। इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे।विकास कुमार को मंगलवार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने बहाल कर दिया। कैट ट्रिब्यूनल ने कहा कि हादसे के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जिम्मेदार है। कैट ने कहा, 'पुलिस भगवान या कोई जादूगर नहीं है। पुलिस को व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता तो उससे भारी भीड़ को नियंत्रित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। एँ ने विक्ट्री परेड से पहले पुलिस से परमिशन नहीं ली। अचानक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी पोस्ट की, जिसके चलते भीड़ इकट्ठा हो गई। 5 लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा करने के लिए फ्रेंचाइजी ही जिम्मेदार है।' बिजली कंपनी ने सोमवार को स्टेडियम की बिजली काट दी थी बेंगलुरु के एम.चिन्नास्वामी स्टेडियम की सोमवार को बिजली काट दी गई। यह कदम बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड ने इसलिए उठाया क्योंकि स्टेडियम को चलाने वाली कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ ने फायर सेफ्टी के जरूरी नियमों का पालन नहीं किया था। स्टेडियम में बड़े मैच और कार्यक्रम होते हैं, लेकिन इसके बावजूद स्टेडियम प्रबंधन ने अग्नि सुरक्षा की मंजूरी नहीं ली थी। इसे देखते हुए कर्नाटक अग्निशमन विभाग के प्रमुख ने केएससीए की बिजली काटने की सिफारिश की, जिस पर बेसकॉम के अधिकारी ने तुरंत कार्रवाई की। ऐसे में जब तक स्टेडियम को जरूरी सुरक्षा सर्टिफिकेट नहीं मिल जाता, तब तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

विंबलडन 2025 में अल्काराज का विजयी अभियान जारी,विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका और एम्मा राडुकानु भी तीसरे राउंड में पहुंचीं

नयी दिल्ली। विंबलडन 2025 के तीसरे दिन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटिश एमेच्योर खिलाड़ी ऑलिवर टारवेट को सीधे सेटों में 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली है। डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज ने वर्ल्ड रैंकिंग 733वें नंबर के टारवेट को सिर्फ दो घंटे 17 मिनट में हरा दिया। अल्काराज ने लगातार 20 मैच जीते हैं, जिसमें रोम मास्टर्स, फ्रेंच ओपन और क्वींस क्लब के खिताब शामिल हैं। लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतने का टारगेट अल्काराज का टारगेट लगातार तीसरा विंबलडन खिताब जीतना है। ब्योर्न बोर्ग, पीट सम्प्रास, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच ओपन एरा में लगातार तीन विंबलडन खिताब जीत चुके हैं। रोजर फेडरर ने सबसे ज्यादा 8 बार विंबलडन खिताब अपने नाम किया है। उसके बाद 7-7 विंबलडन खिताब जीतने का कारनामा पीट सम्प्रास और नोवाक जोकोविच कर चुके हैं। आर्यना सबालेंका ने भी अपना मैच जीता वहीं, विमेंस सिंगल्स में आर्यना सबालेंका ने 48वीं रैंक की मैरी बौजकोवा को 7-6 (7/4), 6-4 को हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

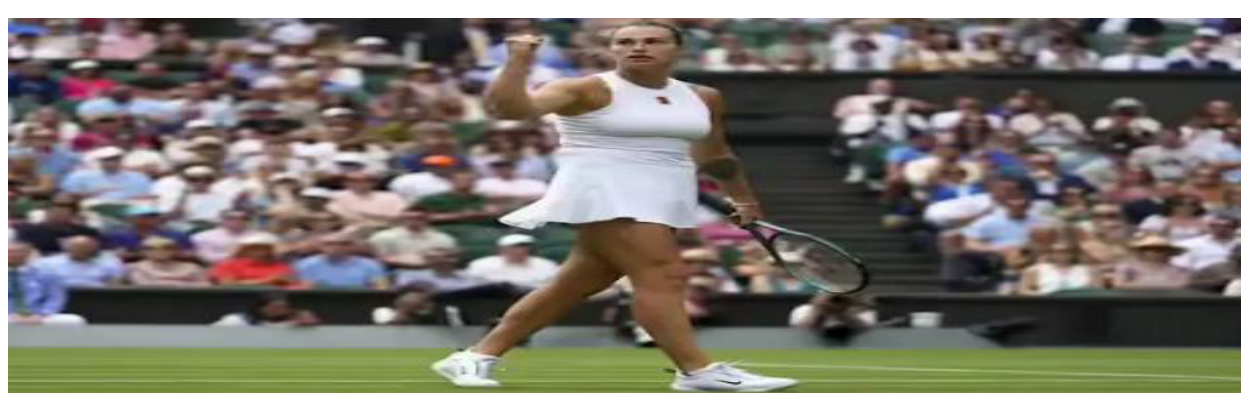

ऋषभ पंत टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंचेःयशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर; बुमराह बॉलर्स में टॉप पर काबिज

नयी दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए। बुधवार को जारी रैंकिंग में पंत अपने करियर की बेस्ट रेटिंग पॉइंट्स पर पहुंचे। उनके अब 801 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट में 134 और 118 रन की दो शानदार पारियां खेली थीं। बैटर्स रैंकिंग में पहले स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट (889 पॉइंट्स) के साथ हैं। पंत टेस्ट इतिहास में एक ही मैच में दो शतक लगाने वाले दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बने हैं। इससे पहले ये कारनामा ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट ने किया था। टॉप-10 बल्लेबाजों में 2 भारतीय बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में 3 भारतीय बल्लेबाज मौजूद हैं। ओपनर यशस्वी जायसवाल चौथे नंबर पर बरकरार हैं। वे अभी के भारत के टॉप रैंक टेस्ट बल्लेबाज हैं। उनके बाद अपने करियर की बेस्ट पोजिशन पर ऋषभ पंत हैं। कप्तान शुभमन गिल 21वें स्थान पर खिसक गए हैं।रूट पहले ब्रूक दूसरे नंबर पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड बैटर्स का दबदबा बना हुआ है। 889 पॉइंट्स के साथ जो रूट नंबर-1 पर बने हुए। भारत के के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में 99 रन बनाने वाले हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर हैं। वे रूट से सिर्फ 15 अंक पीछे रह गए हैं। वहीं लीड्स टेस्ट की दूसरी पारी में 149 रन बनाने वाले बेन डकेट 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बुमराह टॉप पर काबिज भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बॉलर्स रैंकिंग में के टॉप पोजिशन पर बने हुए हैं। उनके 907 पॉइंट्स हैं। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस मौजूद हैं। ऑस्ट्रेलिया के ही जोश हेजलवुड को एक स्थान का फायदा हुआ है। वे अब चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के नोमान अली पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में रवींद्र जडेजा अपनी नंबर-1 पोजिशन बनाए हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाले वेस्टइंडीज के जेडन सील्स 9वें नंबर पर आ गए हैं। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के प्रभाथ जयसूर्या ने 5 विकेट लिए थे। वे अब 14वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान वो धैर्य था, जो वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही देना शुरु किया और फिर इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी

के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के

जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज़, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते

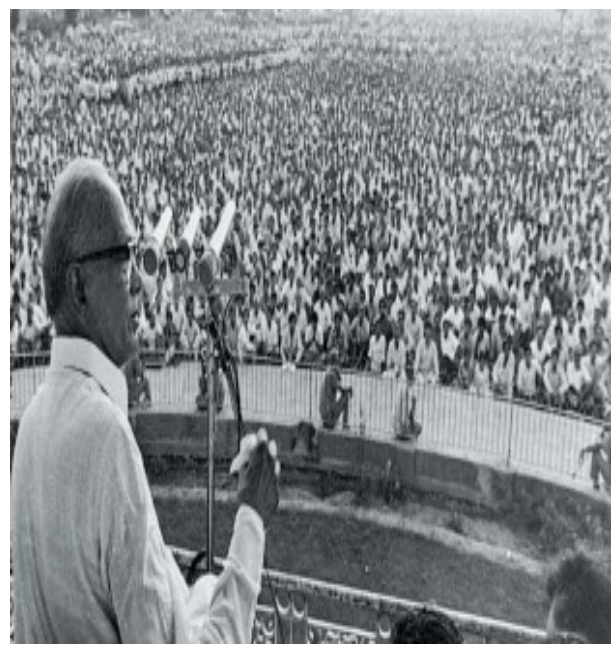

हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी। करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था। इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर गम्भीरतापूर्वक विचार शुरू कर दें। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर विचार शुरू कर दें। अगर हमने ऐसा न किया तो हमारा लोकतंत्र एक आत्माविहीन शरीर जैसा ही रहेगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे

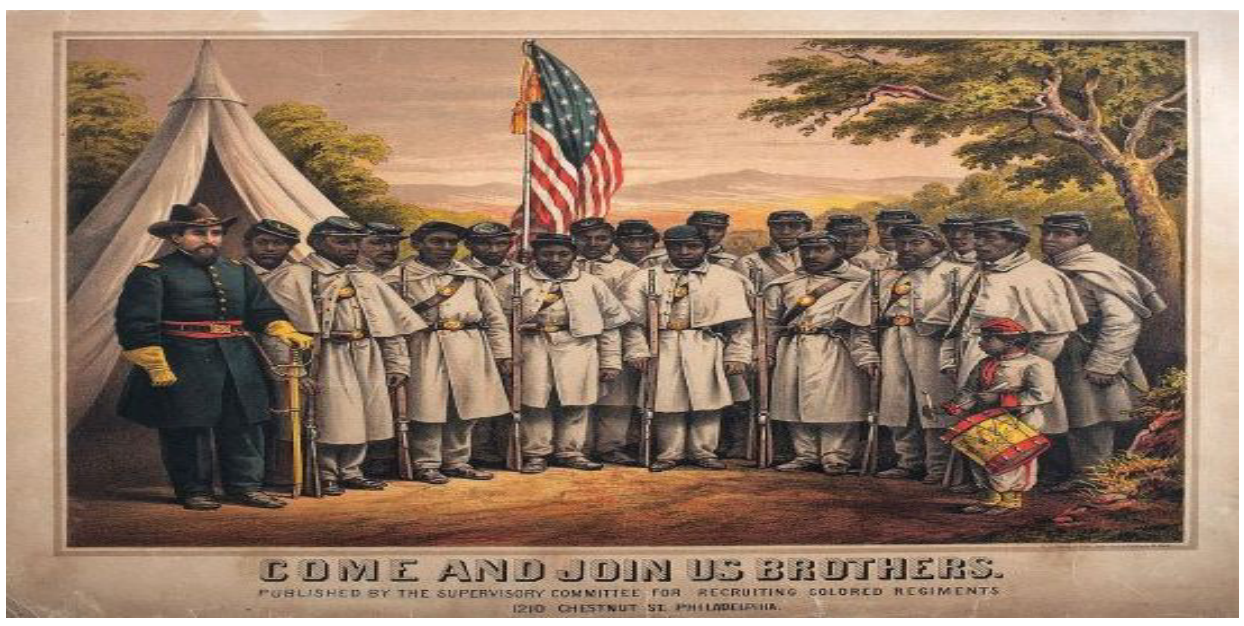

उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर उनके हाथों में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल' कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध करवाएंगे; और सरकारी किराना स्टोर खोलेंगे, जिनमें कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको अपनी राशन की दुकानों, केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना चाहते हैं जिसे लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी के रूप में अपना नया घर बनाया है। ममदानी इतनी कम उम्र के हैं कि उन्होंने ये सारे विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता अंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके संघर्षों को भी ले आता है। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया होती है और दक्षिणपंथ लौट आता है। ऐसा स्केंडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया। वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत! वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने! युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं। सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि का संचालन मन करता है। जबकि

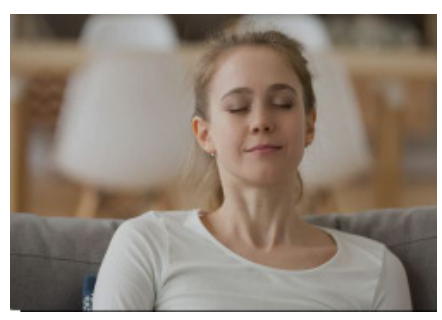

संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

बिहार वोटर लिस्ट संशोधन- इंडिया गुट चुनाव आयोग से मिला:कहा- ईसी वोटबंदी कर रहा, ये लोकतंत्र के लिए खतरा, किसी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं

नयी दिल्ली। विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने बिहार में बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में संशोधन को 'वोटबंदी' का नाम दिया है। इंडिया ब्लॉक के 11 दलों के प्रतिनिधिमंडल ने इसे लेकर बुधवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की थी। इंडिया गुट चुनाव आयोग के सामने अपनी चिंताएं साझा करना चाहते थे, लेकिन इस मुलाकात से विपक्षी नेता खुश नजर नहीं आए। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, 'चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद हमारी चिंताएं और भी बढ़ गई हैं, क्योंकि आयोग ने हमारे किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दिया।'कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में लिखा- 'आज इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधियों ने बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से मुलाकात की। आयोग को यह बैठक मजबूरी में करनी पड़ी, क्योंकि पहले उन्होंने मिलने से मना कर दिया था। आयोग ने हर पार्टी से सिर्फ दो प्रतिनिधियों को ही अंदर जाने की अनुमति दी। मुझे भी करीब दो घंटे वेटिंग रूम में बैठना पड़ा।' उन्होंने आगे लिखा- 'पिछले 6 महीनों में चुनाव आयोग ने जिस तरह से काम किया है, उसने हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की बुनियाद को ही कमजोर कर दिया है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। यह विपक्ष की सुनवाई की मांग को बार-बार यूं ही नकार नहीं सकता। इसे संविधान के सिद्धांतों और प्रावधानों का पालन करना ही होगा।' जैसे प्रधानमंत्री की नवंबर 2016 की 'नोटबंदी' ने हमारी अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया था, वैसे ही चुनाव आयोग की 'वोटबंदी'- जो बिहार और अन्य राज्यों में एसआईआर के रूप में दिख रही है- हमारे लोकतंत्र को खत्म कर देगी। इंडिया गुट का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चुनाव आयोग के दिल्ली स्थित कार्यालय निर्वाचन सदन पहुंचा था।

इस प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, सीपी (एम), सीपीआई, सीपीआई(एमएल) लिबरेशन, एनसीपी (शरद पवार गुट) और समाजवादी पार्टी के नेता शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चुनाव आयोग ने उन्हें बताया कि हर पार्टी से केवल दो प्रतिनिधियों को ही अंदर जाने की इजाजत दी जाएगी। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के लिए नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी प्रमुख ही अंदर जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंधों से राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच जरूरी संवाद नहीं हो सकता। आज हर पार्टी से सिर्फ दो लोगों को अनुमति दी गई, जिसकी वजह से जयराम रमेश, पवन खेड़ा और अखिलेश सिंह जैसे नेता बाहर खड़े रह गए।' बैठक के बाद चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) संविधान और कानून के प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है और राजनीतिक दलों के नेताओं ने जो भी चिंताएं उठाईं, उनका हमने जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि एंई की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 24.06.2025 को जारी निर्देशों के मुताबिक की जा रही है। जहां तक हर पार्टी से सिर्फ दो प्रतिनिधियों को अनुमति देने की बात है, यह अलग-अलग नजरियों को सुनने और संतुलन बनाए रखने के लिए किया गया। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं। इससे पहले बिहार में चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम चला रहा है। इसके तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) हर घर में जाकर मतदाताओं का वैरिफिकेशन करेंगे। जो लोग निर्धारित फॉर्म भरकर बीएलओ को जमा करेंगे, उन्हीं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे। जिन लोगों का वैरिफिकेशन 25 जुलाई तक नहीं होगा, उनके नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा सकते हैं।पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से सवाल किया था- 'चुनाव से ठीक पहले आप वोटर लिस्ट क्यों बना रहे हैं? क्या इतने कम दिनों में बिहार के सभी लोगों की वोटर लिस्ट बनेगी?' 'बिहार में कुल 8 करोड़ लोग मतदाता हैं। सरकार के मुताबिक, राज्य के करीब 3 करोड़ लोग बिहार से पलायन कर चुके हैं। अब इनका वोटरकार्ड कैसे बनेगा ये बताएं? ये लोग वोट का अधिकार छीन रहे हैं। अगर वास्तव में सुधार करना चाहते थे तो लोकसभा चुनाव के बाद तुरंत क्यों नहीं किया?'

बागेश्वर धाम में टेंट गिरा, श्रद्धालु की मौत,भगदड़ में 8 घायल,अयोध्या से धीरेंद्र शास्त्री का जन्मदिन मनाने आए थे

छतरपुर। छतरपुर जिले में गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम परिसर में टेंट गिर गया। लोहे का एंगल सिर में लगने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई जबकि भगदड़ में 8 लोग घायल हुए हैं। हादसा गुरुवार सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद हुआ। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु टेंट के नीचे इकट्ठा हुए थे। घायलों को छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक श्याम लाल कौशल के दामाद राजेश कुमार कौशल ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के मनकापुर गांव के रहने वाले हैं। ससुराल बस्ती जिले के चौरी गांव में है। परिवार के 6 लोग कार से बुधवार रात बागेश्वर धाम आए थे। शुक्रवार को धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का जन्मदिन है। इससे पहले गुरुवार सुबह सभी लोग तैयार होकर शास्त्री के दर्शन करने पहुंचे थे।राजेश ने बताया कि लोहे का एंगल उनके ससुर श्यामलाल कौशल (50) के सिर में लगा। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। सिविल सर्जन शरद चौरसिया ने बताया- बागेश्वर धाम में टेंट गिरने से एक शख्स की मौत हो गई। 2 लोगों का इलाज किया जा रहा है। 6 लोगों को मामूली चोटें आई थी, उनको प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया है। अस्पताल में इनका इलाज जारी नेहा खटीक निवासी भीलवाड़ा, राजस्थान रामदयाल यादव निवासी कुशीनगर, उत्तर प्रदेश ,राजेश कुमार कौशल के साथ आए उनके पड़ोसी आर्यन कमलापुरी ने बताया- हम सब मंच के पास खड़े थे, बारिश हो रही थी। पानी से बचने के लिए टेंट में आ गए। पानी भरने से टेंट नीचे आ गिरा। इससे भगदड़ मच गई। टेंट के नीचे करीब 20 लोग दब गए। बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने कहा- बागेश्वर धाम में बारिश की वजह से टेंट गिर गया था। मामले की जांच की जा रही है।

केजरीवाल का ऐलान- बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप, अब कांग्रेस से गठबंधन नहीं,इंडिया अलायंस लोकसभा के लिए था

पटना। आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अहमदाबाद में कहा, इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारा किसी से कोई गठबंधन नहीं है। केजरीवाल गुजरात के दो दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, यह जनता का सीधा संदेश है कि अब गुजरात में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। दिल्ली में हार पर कहा कि ऊपर-नीचे होता रहेगा। पंजाब में हमारी सरकार दोबारा बनेगी।भाजपा की सरकार ने गुजरात को बर्बाद कर दिया है। सूरत समेत कई शहर पानी में डूबे हुए हैं। किसान, युवा और व्यापारी समेत सभी वर्ग परेशान हैं। इसके बाद भी बीजेपी गुजरात में जीतती आ रही है, क्योंकि लोगों के पास विकल्प नहीं था। कांग्रेस पार्टी को बीजेपी को जीत दिलाने के लिए ठेका दिया जाता है। अब आम आदमी पार्टी आ गई है। आम आदमी पार्टी को लोग एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। विसावदर में जिस तरह से लोगों ने वोट दिया। ये माहौल, ये गुस्सा पूरे गुजरात के लोगों के अंदर है। मैंने कई जगह लोगों से बात की। लोगों में इसी तरह का गुस्सा है। यही गुस्सा विसावदर में देखने को मिला। बीजेपी ने कांग्रेस को भेजा था कि इनके वोट काटो। कांग्रेस ने ठीक से काम नहीं किया। बीजेपी से कांग्रेस वालों को खूब डांट पड़ी। इंडिया गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा- वह अलायंस लोकसभा के लिए था। अब हमारी तरफ से कुछ नहीं है।पार्टी की सदस्यता के लिए केजरीवाल ने 9512040404 नंबर जारी कर कहा कि इस पर मिस्ड कॉल देकर आम आदमी पार्टी से जुड़िए। उन्होंने आगे कहा कि विसावदर उपचुनाव में जनता ने हम पर भरोसा किया है। अगर गुजरात का विकास करना है तो युवाओं को हमारे साथ जुड़ना चाहिए। मुझे सिर्फ दो साल दीजिए, ये हवन है, इसमें आहुति दीजिए। अगर गुजरात का विकास करना है तो आम आदमी पार्टी से जुड़िए। विसावदर की जीत कोई बड़ी जीत नहीं, बल्कि 2027 का सेमीफाइनल है। बीजेपी ने 30 साल तक गुजरात पर राज किया है और आज गुजरात बर्बाद हो गया है।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- इलेक्शन तक छात्रसंघ ऑफिस बंद रहेंगे:गैंगरेप केस में ममता सरकार से रिपोर्ट मांगी; बार काउंसिल से आरोपी की सदस्यता रद्द

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने लॉ कॉलेज में गैंगरेप को लेकर दाखिल की गई तीन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। हाईकोर्ट ने बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से भी रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि छात्र चुनाव होने तक ये कमरे बंद रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कमरों का इस्तेमाल किसी भी काम के लिए नहीं किया जा सकता है। जरूरत होने पर वैध कारणों के साथ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को आवेदन देना होगा।वहीं, पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने बुधवार को मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा की मेंबरशिप रद्द कर दी और उनका नाम वकीलों की सूची से हटा दिया। बार काउंसिल के चेयरमैन अशोक देब ने बताया कि गंभीर और अमानवीय अपराध के आरोपों के चलते आरोपी को बार काउंसिल की सूची से हटाया गया है।मामले का मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज के छात्र संघ के नाम पर गतिविधियां चलाता रहा है। 2017 के बाद से पश्चिम बंगाल में कोई छात्र संघ चुनाव नहीं हुआ, फिर भी पूर्व छात्रों और गैर-निर्वाचित व्यक्ति संघ कार्यालय अवैध रूप से चला रहे हैं। सभी छात्र संघ कार्यालय बिना किसी मंजूरी या कानून के प्रावधान के अपना संचालन जारी रखे हुए हैं । चिंता की बात यह है कि छात्र, पदाधिकारी, कक्षा प्रतिनिधि, जो पिछले चुनाव में चुने गए अऔर नॉमिनेट किए गए थे, वे अभी भी छात्र संघ में पिछले पद के आधार पर कैंपस में आसानी से आ रहे हैं।पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी अलग-अलग बयान दे रहे हैं ताकि जांच को भटकाया जा सके। एक अधिकारी ने कहा कि तीनों लॉ स्टूडेंट हैं, इन्हें कुछ कानूनी चालें आती हैं। साथ ही पुलिस यह पता लगाने की कोशिश भी कर रही है कि मनोजित, जैब अहमद और प्रमीत मुखर्जी अपनी गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले किन-किन लोगों से मिले थे या किन लोगों के संपर्क में थे।पुलिस ने कॉलेज की वाइस-प्रिंसिपल डॉ. नयना चटर्जी से भी दो बार पूछताछ की है। मनोजित मिश्रा ने उनसे 26 जून की सुबह फोन पर बात की थी। बुधवार को पुलिस ने उन 16 लोगों से भी पूछताछ की, जो घटना के वक्त कॉलेज परिसर में मौजूद थे। पुलिस को सुरक्षा गार्ड के कमरे से जब्त एक चादर पर एक दाग मिला है, और यह जांच की जा रही है कि उसका इस घटना से कोई संबंध है या नहीं। इस बीच, कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट ने बुधवार को इस केस की जांच अपने हाथ में ले ली है। अब तक एच्ऊ जांच कर रही थी।मनोजीत की बैचमेट रही एक लड़की ने कॉलेज में उसके आतंक के बारे में बताया है। लड़की के मुताबिक, कॉलेज में लौटने के बाद मनोजीत ने सब कुछ कंट्रोल करना शुरू कर दिया था। मनोजीत से बचने के लिए ही उसने भी कॉलेज जाना छोड़ दिया था। दरअसल, मनोजीत ने 2022 में कॉलेज से ग्रेजुएशन कम्प्लीट किया था। 2 साल बाद 2024 में वह एडहॉक पर नौकरी शुरू की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस समय कॉलेज में एडमिशन रेट घट गया था। इतना ही नहीं, कुछ लड़कियों ने बताया कि मनोजीत की मौजूदगी में उन्हें डर बना रहता था। वह कैंपस में लड़कियों तस्वीरें लेता, ग्रुप में पोस्ट करता था। हर दूसरी लड़की को प्रपोज करता था। आरोपी को छात्रों और प्रशासन के बीच देवता का दर्जा प्राप्त था। कैंपस के हर दस्तावेज तक उसकी पहुंच थी। हर स्टूडेंट की डीटेल, फोन नंबर और पते उसके पास होते थे। वहीं, पश्चिम बंगाल महिला आयोग की अध्यक्ष लीना गांगोपाध्याय ने बुधवार को कहा कि छात्रा बहुत ज्यादा सदमे में है और उसे और काउंसलिंग की आवश्यकता है।

मामले में तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। कॉलेज के सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी की हिरासत भी 4 जुलाई तक बढ़ाई है।लॉ कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल नयना चटर्जी ने बताया था कि मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा को कुछ महीने पहले ही अस्थायी फैकल्टी मेंबर के तौर पर नियुक्ति किया गया था। परमानेंट स्टाफ की कमी की वजह से हायरिंग की गई थी। चटर्जी ने बताया कि कॉलेज प्रशासन को मीडिया के जरिए घटना की जानकारी मिली। पीड़ित छात्रा या किसी अन्य ने घटना के बारे में कोई शिकायत कॉलेज प्रशासन से नहीं की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना के एक दिन बाद कैंपस में प्रवेश करने की अनुमति मांगी थी। इस बारे में सिक्योरिटी गार्ड को भी न बताने को कहा गया था। पुलिस ने ग्राउंड फ्लोर के दो कमरे सील कर दिए हैं। वाइस प्रिंसिपल ने गार्ड के ठीक से ड्यूटी न करने की बात भी मानी है।पुलिस जांच में पता चला है कि मनोजीत के शरीर पर नाखूनों के निशान हैं, जिससे पता चलता है कि पीड़िता ने खुद को बचाने की कोशिश की थी। जांच के तहत पुलिस ने तीनों आरोपियों के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड खंगाले। इसमें पाया गया कि मनोजीत ने घटना के अगले दिन सुबह कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल डॉ. नयना चटर्जी को फोन किया था। इसके बाद पुलिस ने वाइस प्रिंसिपल से दो बार पूछताछ की है।इस बीच, साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए मनोजीत मिश्रा की नौकरी खत्म कर दी और दोनों छात्र आरोपियों को कॉलेज से सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा, कॉलेज प्रशासन ने बार काउंसिल से मिश्रा की सदस्यता रद्द करने की सिफारिश भी की है, क्योंकि वह एक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट है।पुलिस ने उस मेडिकल स्टोर की सीसीटीवी फुटेज भी जब्त की है, जहां से आरोपी जैब अहमद ने विक्टिम के लिए इनहेलर खरीदा था।

विक्टिम ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने आरोपियों से अस्पताल ले चलने की गुहार लगाई थी, लेकिन जब वे नहीं माने, तो उसने इनहेलर लाने की बात कही। इसके बाद जैब ने इनहेलर मंगवाया, जिसके बाद आरोपियों ने उसके साथ रेप करना जारी रखा। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल से जुटाए गए डिजिटल सबूत, मेडिकल जांच की रिपोर्ट और बाकी सबूत भी विक्टिम की कहानी से मेल खाते हैं।कोलकाता गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों के सैंपल लिए जा चुके हैं। मेडिकल कॉलेज में 30 जून को मनोजीत मिश्रा, प्रमित मुखर्जी और जैद अहमद के फ्लूइड, यूरिन और बालों के नमूने लिए गए। यह प्रक्रिया करीब आठ घंटे तक चली। पुलिस ने जांच पर कहा, 'तीनों आरोपियों ने कई दिन से पीड़िता को ट्रैक कर रहे थे। मिश्रा ने पीड़िता को कॉलेज में दाखिला लेने के पहले दिन से ही निशाने पर लिया था। प्लानिंग के बाद वारदात की गई।' पुलिस ने चेतावनी भी दी है कि अगर पीड़ित लड़की की पहचान उजागर की तो एक्शन लिया जएगा। उधर, लॉ कॉलेज ने गैंगरेप के मुख्य आरोपी और दो अन्य आरोपियों को सस्पेंड कर दिया है। अलीपुर कोर्ट ने तीनों की पुलिस हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ा दी है।कोलकाता गैंगरेप की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को जनहित याचिका दायर हुई। इसमें सीबीआई को मामले की प्राइमरी जांच करके कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मुख्य आरोपी के राज्य की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी से जुड़े होने के चलते यह मांग की गई है। याचिका में पीड़ित को मुआवजा देने और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूट में लड़कियों की सुरक्षा के लिए सिविल वॉलेंटियर तैनात करने की भी मांग की गई है।

दिल्ली- पुराने वाहनों को 'नो-फ्यूल' आदेश वापस लेने की तैयारी:मंत्री ने कहा- पॉल्यूशन देखकर रोक लगे; 1 जुलाई से लागू होना था

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता आयोग को लेटर लिखकर पुराने वाहनों पर ईंधन भरवाने की रोक को फिलहाल रोकने की अपील की है। ये जानकारी गुरुवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी। उन्होंने कहा कि जब तक ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचानने वाला सिस्टम पूरे एनसीआर में पूरी तरह नहीं लग जाता, तब तक इस नियम को लागू न किया जाए। सरकार वायु प्रदूषण कम करने के लिए कई कदम उठा रही है और इसका असर जल्द दिखेगा। दरअसल, वायु गुणवत्ता आयोग ने अप्रैल में आदेश दिया था कि 1 जुलाई से पुराने वाहनों में ईंधन नहीं डाला जाएगा, ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। ये नियम दिल्ली के साथ-साथ बाहर से आए पुराने वाहनों पर भी लागू है। इस पर सिरसा ने कहा;- 'ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचानने वाला सिस्टम पूरे एनसीआर में अभी लागू नहीं हुआ है। जहां अभी लगाया गया है, वहां ठीक से काम नहीं कर रहा। कैमरे, सेंसर्स और स्पीकर्स में टेक्निकल प्रॉब्लम आ रही है। ऐसे में इस नियम को लागू करना उचित नहीं है।' मंत्री सिरसा के प्रेस कॉन्फ्रेंस की 2 अहम बातें-दिल्ली के पड़ोसी शहरों जैसे गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद में अभी तक एएनपीआर कैमरे नहीं लगे हैं। इससे वाहन मालिक दिल्ली से बाहर जाकर ईंधन भरवा सकते हैं। ऐसे में गैरकानूनी ईंधन बाजार बनने का खतरा बढ़ सकता है।कई वाहनों की हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट्स में समस्याएं हैं, जिससे एएनपीआर उन्हें ठीक से पहचान नहीं पा रहा।दिल्ली सरकार ने मार्च में नए नियम की घोषणा की थी एक मार्च को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा था कि जुलाई से 15 साल और उससे ज्यादा पुराने वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। एयर पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा था कि हम पेट्रोल पंपों पर गैजेट लगा रहे हैं जो 15 साल से पुराने वाहनों की पहचान करेंगे। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। दिल्ली की हवा हर रोज 38 सिगरेट पीने जितनी का लेवल औसतन 500 एक्यूआई से ऊपर पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2013 में एक व्यक्ति औसतन 10 सिगरेट जितना धुआं प्रदूषण के जरिए अपने अंदर ले रहा था। 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 38 सिगरेट तक पहुंचा। जब हम सांस लेते हैं तो हवा में मौजूद पॉल्यूटेंट्स भी हमारे फेफड़ों में समा जाते हैं। ये हमारी ब्लड स्ट्रीम में प्रवेश कर सकते हैं और खांसी या आंखों में खुजली पैदा कर सकते हैं। इससे कई रेस्पिरेटरी और लंग्स से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी हो सकता है। कई बार तो यह कैंसर की वजह भी बन सकता है। अब लगातार नई स्टडीज में सामने आ रहा है कि इससे ब्रेन की फंक्शनिंग भी प्रभावित होती है। लैंसेट न्यूरोलॉजी जर्नल में पब्लिश ग्लोबल स्टडी के मुताबिक वायु प्रदूषण सबराकनॉइड हैमरेज यानी एसएएच की बड़ी वजह है। इसमें पता चला है कि साल 2021 में सबराकनॉइड हैमरेज के कारण होने वाली लगभग 14फीसदी मौतों और विकलांगता के लिए वायु प्रदूषण जिम्मेदार है। यह स्मोकिंग से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स का क्या मतलब है? एयर क्वालिटी इंडेक्स एक्यूआई एक तरह का टूल है, जो यह मापता है कि हवा कितनी साफ और स्वच्छ है। इसकी मदद से हम इस बात का भी अंदाजा लगा सकते हैं कि इसमें मौजूद एयर पॉल्यूटेंट्स से हमारी सेहत को क्या नुकसान हो सकते हैं। एक्यूआई मुख्य रूप से 5 सामान्य एयर पॉल्यूटेंट्स के कॉन्सन्ट्रेशन को मापता है। इसमें ग्राउंड लेवल ओजोन, पार्टिकल पॉल्यूशन, कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड शामिल हैं। आपने एक्यूआई को अपने मोबाइल फोन पर या खबरों में आमतौर पर 80, 102, 184, 250 इन संख्याओं में देखा होगा। इन अंकों का क्या मतलब होता है, ग्राफिक में देखिए।2023-24 के इकोनॉमिकल सर्वे के मुताबिक, दिल्ली में करीब 80 लाख गाड़ियां हैं।

'शेफाली की पल्स चल रही थी, लेकिन आंखें बंद थीं' ,करीबी दोस्त पूजा घई ने बताए आखिरी पल बोलीं- हॉस्पिटल पहुंचने तक हो गया था निधन

नयी दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 27 जून को लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने सबको बुरी तरह झकझोर कर रख पल्स चल रही थी, लेकिन वो आंखें नहीं खोल रही थी। उसे

निधन हो गया। उनकी अचानक मौत ने पूरी इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है। अब शेफाली की करीबी दोस्त और एक्ट्रेस पूजा घई ने शेफाली के आखिरी पलों के बारे में बात की, जो शेफाली के पति पराग त्यागी ने खुद उनसे शेयर किए थे।पूजा घई ने विक्की लालवानी के साथ बातचीत में कहा, 'मुझे परिवार और पराग से जो बात पता चली वो ये थी कि उनके घर में सत्यनारायण की पूजा हुई थी। अगले दिन जब हमें शेफाली को अंतिम संस्कार के लिए लाने के लिए घर में प्रवेश करने की अनुमति दी गई, तब मैंने भी देखा कि पूरा घर पूजा के लिए सजाया गया था। दिया।'पूजा ने कहा- 'शेफाली ने हमेशा की तरह खाना खाया और उसने पराग से उनके कुत्ते को नीचे घुमाने के लिए कहा। जैसे ही वो नीचे गया, उसे तुरंत वापस बुलाया गया। घर की हेल्पर ने उसे कॉल करते हुए कहा कि दीदी की तबीयत ठीक नहीं है। पराग ने हेल्पर से कहा कि वो कुत्ते को वॉक कराए, ताकि वह ऊपर जाकर शेफाली को देख सके, क्योंकि उनका डॉग बहुत बूढ़ा हो चुका है। वो नीचे लिफ्ट का इंतजार कर रहा था और जैसे ही हेल्पर आया, पराग उसे अपना डॉग पकड़ाकर तुरंत ऊपर गया।उसने देखा कि शेफाली की तुरंत एहसास हो गया होगा कि कुछ गड़बड़ जरूर है और वो उसे नजदीकी अस्पताल ले गया। लेकिन इससे पहले कि उसे बेलेव्यू लाया जाता, वो पहले ही जा चुकी थी।पूजा ने आगे कहा, पोस्टमार्टम की शुरुआती रिपोर्ट में किसी भी तरह की गड़बड़ी नहीं पाई गई है। मुझे सबसे ज्यादा पराग को लेकर चिंता थी कि उसे पुलिस की पूछताछ का सामना करना पड़ेगा। दरअसल शेफाली के जाने से पराग पहले से ही बहुत दुखी है और वो अब कुछ समय के लिए अकेला रहना चाहता है, लेकिन उसे पुलिस की पूछताछ से तो गुजरना ही पड़ेगा।'

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 'सितारे जमीन पर' देखी:कहा- यह फिल्म सभी को देखनी चाहिए; स्पेशल बच्चों के लिए आयोजित हुई थी स्क्रीनिंग

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जमीन पर जैसी शानदार फिल्म विशेष बच्चों पर बनाई है। इस कास्ट मौजूद थी। प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के आधिकारिक

बुधवार को फिल्म 'सितारे जमीन पर' देखी। यह स्क्रीनिंग दिव्यज फाउंडेशन की ओर से 15 स्कूल के स्पेशल छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। इस फाउंडेशन की संस्थापक मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता देवेंद्र फडणवीस हैं। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद आमिर खान और अमृता फडणवीस ने बच्चों और शिक्षकों से बातचीत भी की। उन्होंने बच्चों के विचार सुने और उन्हें मोटिवेट भी किया। इस कार्यक्रम का मकसद छात्रों को हौसला देना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना था।फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आमिर खान ने सितारे फिल्म के जरिए दिखाया गया है कि ऐसे बच्चों के माता-पिता किस तरह उनका पालन-पोषण करते हैं और शिक्षक उन्हें कितने धैर्य से पढ़ाते हैं। यह फिल्म दर्शकों को सिखाती है कि समाज को विशेष बच्चों के प्रति अधिक संवेदनशील और समझदारी भरा नजरिया रखना चाहिए। मैं आमिर खान को इस बेहतरीन फिल्म के लिए बधाई देता हूं।आमिर खान ने दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से 24 जून को मुलाकात की थी। ये मुलाकात दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में हुई थी, जहां आमिर ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। इस दौरान फिल्म की पूरी एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी देते हुए स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर की गई थीं। पोस्ट में आमिर खान और द्रौपदी मुर्मू की तस्वीर के साथ लिखा गया है, पॉपुलर फिल्ममेकर और एक्टर श्री आमिर खान ने प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है।आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म सितारे जमीन पर 20 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आमिर खान, जेनेलिया डिसूजा के अलावा असल में डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अहम किरदारों में हैं। फिल्म एक ऐसे बास्केटबॉल कोच पर आधारित है, जो इन बच्चों के कोच बनते हैं।

हिमाचल की शिवांगिनी ने 'किसमें है कितना दम' ग्रैंड-फिनाले जीता,भरतनाट्यम में हरियाणा की प्रतिभागी को हराया, पंजाब के संगरूर में हुई प्रतियोगिता

बड़सर। हिमाचल प्रदेश के हरियाणा की प्रतियोगी को

हमीरपुर जिले के बड़सर की 18 वर्षीय शिवांगिनी ने 'किसमें है कितना दम' शो का ग्रैंड फिनाले जीत लिया है। पंजाब के संगरूर में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता का आयोजन 20 से 30 जून तक किया गया। इस प्रतियोगिता में शिवांगिनी ने 18-20 वर्ष की श्रेणी में भाग लिया। उन्होंने फर्स्ट ऑडिशन से लेकर फाइनल तक शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में पछाड़कर विजेता बनीं।शिवांगिनी के पिता राजेश कुमार पूर्व सैनिक हैं। उनकी तेलंगाना में पोस्टिंग के दौरान शिवांगिनी ने वहीं भरतनाट्यम सीखा। वह न केवल नृत्य करती हैं बल्कि कोरियोग्राफी भी करती हैं। उनकी माता गृहिणी हैं और बड़ी बहन शगुन शर्मा एलएलबी कर रही हैं।मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, सांसद एवं पूर्व युवा खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर और बड़सर के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने शिवांगिनी की इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू, 'बजरंगी भाईजान' की मुन्नी अब बनेंगी 'अखंडा 2' की जननी

नयी दिल्ली। 'बजरंगी के दिल में बसीं हर्षाली मल्होत्रा अब

भाईजान' की मुन्नी यानी हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ फिल्मों में धमाल मचाने को तैयार हैं। हर्षाली अब नंदमुरी बालाकृष्ण के साथ फिल्म 'अखंडा 2' में नजर आएंगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में वह खूबसूरत लग रही हैं।सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' की मुन्नी याद है? फिल्म में मुन्नी बनकर हर किसी साउथ सिनेमा में अपना जलवा दिखाएंगी। वह नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्म 'अखंडा 2' में नजर आएंगी। फिल्म से हर्षाली मल्होत्रा का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया है, जो चर्चा में छाया है। 'अखंडा 2' में हर्षाली मल्होत्रा जननी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। 'अखंडा 2' से हर्षाली मल्होत्रा का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, उसमें वह पीले रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। जूलरी पहनी है और बाल हवा में लहरा रहे हैं। हर्षाली इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।हर्षाली मल्होत्रा की फिल्म के ऐलान से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और उन्हें 'अखंडा 2' का बेसब्री से इंतजार है। एक फैन ने ट्वीट किया है, 'मुन्नी इज बैक। हर्षाली मल्होत्रा जिसने 'बजरंगी भाईजान' में सबका दिल जीता, अब 'अखंडा 2' में नजर आएगी।' एक ने लिखा, 'लंबे समय बाद हर्षाली वापस लौट रही है। मैं मुन्नी को देखने के लिए एक्साइटेड हूं।'रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'अखंडा 2' में हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण की बेटी के रोल में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2021 में आई इसी नाम की फिल्म का सीक्वल है। इस एक्शन-ड्रामा में प्रज्ञा जायसवाल, नवीना रेड्डी और नितिन मेहता जैसे एक्टर्स नजर आए थे। 'अखंडा' साल 2021 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई वाली तेलुगू फिल्म थी। इसने वर्ल्डवाइड 121-150 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। उम्मीद है कि 'अखंडा 2' भी वैसा ही कमाल दिखाएगी।

'मैं दोबारा शादी कर रहा हूं...' जब अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय संग तलाक पर तोड़ी चुप्पी, कर दी थी बोलती बंद

नयी दिल्ली। अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की प्रेम कहानी चर्चित रही है। एक-दूसरे का साथ देती है। हालांकि फैंस उन्हें बहुत प्यार करते हैं, लेकिन पिछले कुछ वालों के लिए एक बहुत जरूरी बात बनकर सामने आई।ईटाइम्स के साथ हाल ही

उनकी शादी को लेकर कई अफवाहें उड़ीं। अभिषेक ने इन अफवाहों का जवाब मजाकिया अंदाज में दिया। उन्होंने बताया कि झूठी खबरें उनके परिवार को कैसे प्रभावित करती हैं।अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन की प्रेम कहानी हमेशा से बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कहानियों में से एक रही है। उनका रिश्ता 2000 के दशक में तब पनपना शुरू हुआ जब उन्होंने मुजफ्फर अली की 'उमराव जान' (2006) में साथ काम किया। 'धूम 2' में साथ काम करते हुए उनका बॉन्ड और भी मजबूत हो गया, जिसे उसी समय के आसपास शूट किया गया था। जो दोस्ती से शुरू हुआ वह जल्द ही गहरे प्यार में बदल गया, जिसके बाद 2007 में उनकी भव्य शादी हुई। तब से, यह जोड़ी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक बनी हुई है, जो अक्सर हाथों में हाथ डाले दिखाई देती है और हर अच्छे-बुरे समय में वर्षों में उनकी शादी में परेशानियों के बारे में कई अफवाहें उड़ी हैं। कुछ ने तो यह दावा भी किया कि यह कपल तलाक लेने वाला है।साल 2016 में अभिषेक बच्चन ने फैसला किया कि उन्होंने काफी कुछ सुन लिया है। ऐश्वर्या से अलग होने की लगातार चर्चा के बाद एक्टर ने ट्विटर पर जाकर पूरी सच्चाई बताई। अपनी खास कॉमिक टाइमिंग के साथ उन्होंने अपने अंदाज में अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने लिखा, 'ठीक है.... तो मुझे लगता है कि मैं तलाक ले रहा हूं। मुझे बताने के लिए धन्यवाद! क्या आप मुझे भी बताएंगे कि मैं कब दोबारा शादी कर रहा हूं? धन्यवाद। क्षमपेट्स।'उनका मजाकिया लेकिन तीखा जवाब तुरंत वायरल हो गया। फैंस ने अफवाहों को इतनी शालीनता और ह्यूमर के साथ निपटाने के लिए अभिषेक की तारीफ की और यह पोस्ट गपशप करने में एक इंटरव्यू में अभिषेक ने बताया कि ये अफवाहें वास्तव में उन्हें और उनके परिवार को कैसे प्रभावित करती हैं। ईमानदारी से बोलते हुए उन्होंने कहा कि अतीत में, वह अपने बारे में झूठी कहानियां सुन चुके हैं। लेकिन अब जब उनका परिवार है, तो यह अलग तरह से असर डालता है। अभिषेक ने कहा, 'यह बहुत परेशान करने वाला है। आप मैं नहीं हैं, आप मेरा जीवन नहीं जीते हैं।''गुरु' एक्टर ने यह भी बताया कि कैसे चीजों को सही करने की कोशिश करना अक्सर बेकार लगता है। उन्होंने कहा, 'कंप्यूटर स्क्रीन के पीछे गुमनाम बैठकर सबसे गंदी बातें लिखना बहुत आसान है। आपको एहसास होता है कि आप किसी को चोट पहुंचा रहे हैं। कोई कितना भी मोटा-चमड़ी वाला क्यों न हो, यह उन्हें प्रभावित करता है। अगर कोई आपके साथ ऐसा करे तो आपको कैसा लगेगा?'

सनी देओल जीते हैं राजाओं जैसी जिंदगी, शूट पर ट्रक में भरकर ले जाते हैं अपना जिम, पुनीत इस्सर ने किया खुलासा

नयी दिल्ली। बॉलीवुड में फिल्मों की कमाई कम हो रही है। फिल्म स्टार के साथ आने वाले लोगों के खर्च पर बात हो रही है। पुनीत इस्सर ने बताया कि सनी देओल हमेशा बड़े ग्रुप के साथ यात्रा करते थे। अनुराग कश्यप ने कहा कि फिल्म पर कम और अन्य चीजों पर ज्यादा पैसा खर्च होता है।पिछले कुछ सालों से बॉलीवुड में मंदी का दौर चल रहा है, जिसमें कुछ ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर पा रही हैं और इन सबके बीच, एक स्टार के साथ आने वाले लोगों की लागत को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है। बताया गया है कि एक फिल्म स्टार के सहयोगी स्टाफ की वजह से फिल्म की लागत बढ़ जाती है और इतने बड़े बजट के साथ, फिल्म रिलीज होने पर अपनी लागत वसूल नहीं कर पाती। हालांकि, सनी देओल कई सालों से एक बड़े दल के साथ यात्रा कर रहे हैं, जैसा कि एक्टर पुनीत इस्सर ने बताया। पुनीत ने 1997 में रिलीज हुई 'बॉर्डर' की शूटिंग से एक घटना शेयर की और कहा कि उस समय भी सनी एक राजा की तरह यात्रा करते थे और उनके साथ उनके सामान से भरा एक ट्रक चलता था। लेकिन, पुनीत इस्सर ने दावा किया कि सनी अपने निर्माता पर अतिरिक्त लागत का बोझ नहीं डाल रहे थे। पुनीत ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ यूट्यूब चैनल पर बातचीत में बताया, 'सनी राजा आदमी है। वो जहां जाता है राजा की तरह जाता है। उसका पूरा ग्रुप चलता है। उसके शेफ भी आते हैं, बैडमिंटन का कोर्ट भी होगा, पूरा जिम जाएगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपनी चीजों से भरा ट्रक लेकर यात्रा करते हैं, तो पुनीत ने कहा, 'वह आपसे पूछेगा कि मैं इतना सारा वजन लेकर यात्रा कर रहा हूं, अगर कोई ऐसी चीज है जिसे आप भी ले जाना चाहते हैं तो वह उसे भी लोड कर सकता है।'उन्होंने कहा, 'सनी देओल राजा की तरह हैं, सम्राट की तरह हैं। सनी देओल ऐसे ही हैं।' पिछले कुछ सालों में फिल्मों के बजट को प्रभावित करने वाले बढ़ते एन्टोरेज कॉस्ट के बारे में पूछे जाने पर पुनीत ने कहा कि तब चीजें अलग थीं और वो बोले, 'मुझे नहीं लगता कि सनी प्रोड्यूसर पर बिल डालेंगे। इसलिए मैंने कहा, वह एक राजा हैं। सलमान भी ऐसे ही हैं। यह एक आवश्यकता है, यह उनके लिए जरूरी है, उन्हें इसकी जरूरत है, उन्हें काम करना है।' पुनीत ने कहा कि जहां तकग्रुप में कई लोगों के होने की बात है, तो अपने सुनहरे दिनों में सभी बड़े सितारे हमेशा अपने कई लोगों से घिरे रहते थे। उन्होंने राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, विनोद खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा, दिलीप कुमार जैसे एक्टर्स का नाम लिया और कहा कि उनके ग्रुप में भी हमेशा कई लोग होते थे।इससे पहले, ह्यूमन्स ऑफ सिनेमा के साथ बातचीत में निर्देशक अनुराग कश्यप ने कहा था कि फिल्म के इर्द-गिर्द 'सामान' पर बहुत पैसा खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'वे फिल्म पर पैसा खर्च नहीं कर रहे हैं। लोगों को इस पूरी वास्तविकता की जांच करने की जरूरत है। एक बात लोगों को समझने की जरूरत है कि जब हम फिल्म बनाते हैं, तो हम काम कर रहे होते हैं, हम कुछ बना रहे होते हैं।'उन्होंने आगे कहा, 'यह कोई छुट्टी नहीं है, यह कोई पिकनिक नहीं है। बहुत सारा पैसा जो खर्च किया जाता है, वह फिल्म बनाने में नहीं जाता है। यह सामान पर खर्च होता है। यह दल-बल पर खर्च होता है। आप जंगल के बीच में शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन एक कार तीन घंटे दूर शहर में भेजी जाएगी ताकि आपको वह फाइव स्टार बर्गर मिल सके जो आप चाहते हैं। आप इस पूरी चीज में शामिल होते हैं।'

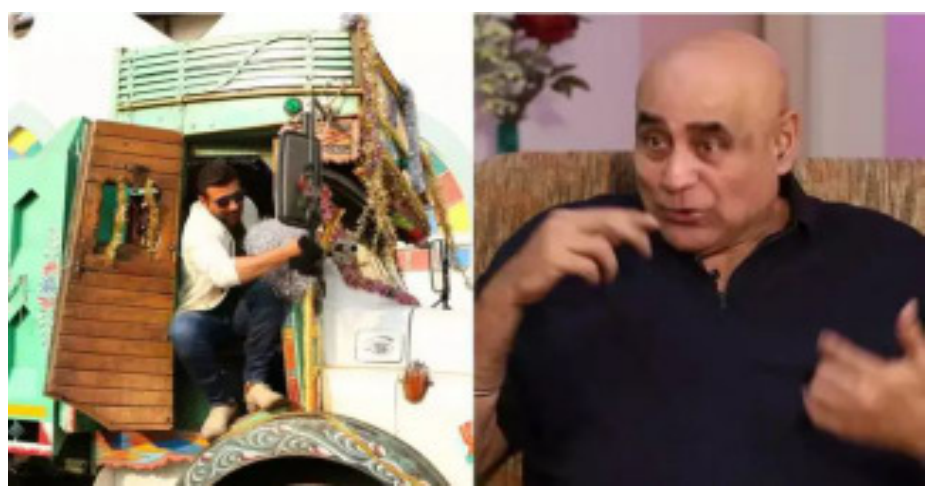

सुबह डाइट फूड और रात में ड्रग्स मांगते हैं एक्टस... पहलाज निहलानी का दावा, अक्षय कुमार को लेकर भी किया खुलासा

नयी दिल्ली। डायरेक्टर किया। इस दौरान पहलाज और किसे नहीं, बल्कि

पहलाज निहलानी ने कहा है कि उन एक्टर्स को शर्म आनी चाहिए जो 6 वैनिटी वैन मांगते हैं। उन्होंने कहा कि एक्टर्स दिन में डाइट फूट और रात में ड्रग्स मांगते हैं। फिर उन्होंने अक्षय को लेकर भी एक बात कही।डायरेक्टर और सेंसर बोर्ड के पूर्व चीफ पहलाज निहलानी ने उन एक्टर्स पर गुस्सा निकाला है, जो वैनिटी वैन की मांग करते हैं और मुंहमांगी फीस मांगते हैं। उन्होंने एक्टर्स के बढ़ती फीस और उनके साथ आने वाले entourage पर भी रिएक्ट निहलानी ने वह वक्त भी याद किया, जब अक्षय कुमार ने फिल्म 'तलाश' की कास्टिंग में दखल दिया और उन पर दबाव डाला कि फिल्म में करीना कपूर को लें। यूट्यूब चैनल 'लर्न फ्रॉम द लेजेंड' से बातचीत में पहलाज निहलानी ने बताया कि उन्होंने सिर्फ प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स को ही कास्टिंग से संबंधित फैसले लेते देखा था। कभी एक्टर्स को कास्टिंग तय करते नहीं देखा। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब एक्टर्स न सिर्फ कास्ट बताते हैं कि किसे लेना है पसंद का डायरेक्टर भी चुनते हैं।पहलाज निहलानी ने तब अक्षय कुमार का उदाहरण दिया, और बोले, 'पहले डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ही कास्टिंग करते थे और हीरो कास्टिंग में दखल नहीं देते थे। मेरे साथ कास्टिंग में दखल देने वाले पहले एक्टर अक्षय कुमार थे, जिन्होंने 2002 में 'तलाश' में काम किया था। उन्होंने मुझसे कहा कि हम कल ही फिल्म शुरू कर सकते हैं, और आप मुझे जो भी रकम देना चाहें दे सकते हैं, लेकिन इस फिल्म की हीरोइन करीना कपूर होंगी। यह उस समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी। इसे 22 करोड़ रुपये में बनाया गया था। यह मेरे करियर में पहली बार था जब किसी एक्टर ने किसी खास कास्ट की मांग की थी।'पहलाज निहलानी ने एक्टर्स की बढ़ते entourage और उसके खर्च पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज का वर्क कल्चर बेवजह की मांगों और वैनिटी से भर गया है। वह बोले, 'जहां एक व्यक्ति काम करता था, वहां अब 10 लोग काम कर रहे हैं। पहले एक वैनिटी वैन होती थी, लेकिन अब एक्टर छह वैनिटी वैन की मांग करते हैं- एक एक्सरसाइज़ के लिए, एक किचन के लिए, एक मीटिंग के लिए। शर्म आनी चाहिए उन एक्टर्स को 6 वैनिटी वैन मांगते हैं।'पहलाज आगे बोले, 'पहले सिर्फ मेकअप मैन एक्टर्स के साथ जाता था। अब वो अलग से हेयर ड्रेसर और सिर्फ शीशा दिखाने के लिए एक व्यक्ति की मांग करते हैं। वो बिना किसी काम के 1.5 लाख रुपये का बिल थमा देते हैं। पहले वे घर का बना खाना लाते थे, लेकिन अब उन्हें डाइट फूड चाहिए। उन्हें रात में ड्रग्स चाहिए और सुबह डाइट फूड।'

रामायण' की इस एक्ट्रेस की खून से लथपथ मिली थी लाश, रस्सी से बांधकर काटा गला, देख कर सिहर उठे थे सब

नयी दिल्ली।रामानंद सागर के हिट टीवी सीरियल 'रामायण' में उर्मिला भट्ट ने देवी सीता की मां का किरदार निभाया था, जिसमें वह छा गई थीं। पर इनकी निर्दयी तरीके से की गई हत्या ने सनसनी मचा दी थी। जानिए क्या हुआ था। रामानंद सागर ने 80 के दशक में 'रामायण' बनाई थी। तबसे अभी तक इस पर कई फिल्में और शोज बनाए जा चुके हैं। पर जो बात रामानंद सागर की 'रामायण' और उसके कलाकारों में थी, वो किसी और भी नहीं दिखी। तभी तो 38 साल बाद भी दर्शक उन कलाकारों का नाम और चेहरा नहीं भूले हैं, जो दशकों पहले 'रामायण' में नजर आए थे। उनमें से कई कलाकार तो अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक की तो निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी और लाश घर में पड़ी मिली थी। यह थीं एक्ट्रेस उर्मिला भट्ट। रामानंद सागर ने ऐसे दिया था देवी सीता की मां का रोल उर्मिला भट्ट को रामानंद सागर ने सीता की मां महारानी सुनैना के किरदार में साइन किया था। चूंकि उर्मिला ने फिल्मों और थिएटर में खूब काम किया था और वह ऑडिशन में सफल रहीं, इसलिए उन्हें सुनैना का किरदार मिला। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से सुनैना के किरदार में ऐसी जान भरी कि हर कोई मुरीद हो गया था।उर्मिला भट्ट ने बतौर लोक गायिका और डांसर करियर शुरू किया था। उन्होंने कई गुजराती और राजस्थानी फिल्में कीं। बॉलीवुड में भी उनके नाम का डंका बजा। उर्मिला ने कई फिल्मों में अमिताभ बच्चन की मां का रोल भी प्ले किया। ढाई दशक से भी ज्यादा समय तक उर्मिला भट्ट बॉलीवुड का हिस्सा रहीं, पर उन्हें रामानंद सागर की 'रामायण' ने उनके करियर की कायापलट कर दी थी।लेकिन साल 1997 में उर्मिला भट्ट की निजी जिंदगी में ऐसा भयानक मोड़ आया कि जानकर हर कोई सिहर उठा था। 22 फरवरी 1997 को उर्मिला भट्ट की उनके घर पर निर्ममता से हत्या कर दी गई। उनकी लाश उनके घर मिली।पुलिस ने इस मामले की जांच की और शुरुआत में शक जताया कि उर्मिला भट्ट की हत्या लूटपाट के मकसद से की गई है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।